Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 307 | शुक्रवार, 12 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

असम में बड़ा ट्रेन हादसा! गुवाहाटी के दिगारू में कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस पटरी से उतरी, इंजन समेत 7 डिब्बे बेपटरी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत में रेल सेवाओं की सुरक्षा पर एक बार फिर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो गया है। बुधवार सुबह असम में कामरूप (मेट्रो) जिले के अंतर्गत आने वाले गुवाहाटी के बाहरी इलाके दिगारू में एक दर्दनाक रेल दुर्घटना सामने आई। मिजोरम से कोलकाता की ओर जा रही कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस दिगारू रेलवे स्टेशन के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

इस हादसे में ट्रेन का शक्तिशाली इंजन और उसके सात डिब्बे बेपटरी होकर ट्रैक से नीचे उतर गए। इस घटना में कई यात्रियों के घायल होने की खबर है, जिसके बाद पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में हड़कंप मच गया है।



यह हादसा तब हुआ जब ट्रेन मिजोरम से कोलकाता की ओर जा रही थी। इस घटना ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। ट्रेन के पटरी से उतरने के कारणों के बारे में अभी और जानकारी का इंतजार है। यह घटना असम के कामरूप (मेट्रो) जिले में दिगारू के पास सुबह-सुबह हुई। यात्रियों की स्थिति, ट्रेन को हुए नुकसान और घटना के बाद की गई व्यवस्थाओं के बारे में अभी जानकारी आनी बाकी है। यह घटना कामरूप (मेट्रो) जिले के दिगारू रेलवे स्टेशन के पास हुई। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में यात्री ट्रेन का इंजन और सात डिब्बे शामिल हैं। बचाव अभियान, यात्रियों को दी जा रही मदद और इस रूट पर अन्य ट्रेनों की आवाजाही के बारे में अभी जानकारी का इंतजार है। अधिकारियों की ओर से अभी तक इस घटना के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

फिलहाल उपलब्ध जानकारी में, पटरी से उतरे डिब्बों में कितने यात्री सवार थे और उन्हें कितनी चोटें आई हैं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पटरी से उतरने के कारण का अभी पता नहीं चला है

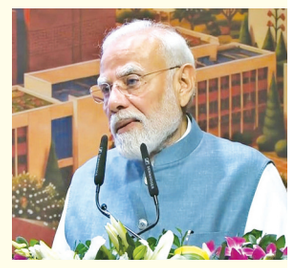
कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस के पटरी से उतरने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है। किन परिस्थितियों में इंजन और सात डिब्बे पटरी से उतरे, इस बारे में अभी और जानकारी आनी बाकी है। इस घटना के कारण मिजोरम और कोलकाता के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जैसे-जैसे और जानकारी सामने आएगी, दुर्घटना, घायलों और रेलवे अधिकारियों की कार्रवाई के बारे में और विवरण मिलने की उम्मीद है।

दिगारू के पास कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस पटरी से उतरी

शुरूआती जानकारी के अनुसार, कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस मिजोरम से कोलकाता जा रही थी, तभी दिगारू रेलवे स्टेशन के पास इसका इंजन और सात डिब्बे पटरी से उतर गए। यह हादसा बुधवार सुबह गुवाहाटी के बाहरी इलाके में हुआ। घटना में कुछ यात्रियों के घायल होने की खबर है। हालांकि, कितने लोग घायल हुए हैं और उन्हें कितनी गंभीर चोटें आई हैं, इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। ट्रेन के पटरी से उतरने का कारण भी अभी पता नहीं चल पाया है। क्या कोई तकनीकी खराबी थी या कोई और वजह, इस बारे में अभी और जानकारी का इंतजार है।

किसानों का बोझ घटाने को प्रतिबद्ध सरकार, दिल्ली में सजेगी भारत की हजारों साल पुरानी विरासत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रबी सीजन 2026-27 के लिए फॉस्फेटिक और पोटासिक (पीएंडके) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) को मंजूरी दे दी है। इसके लिए करीब 62,370.02 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस फैसले से किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से राहत मिलेगी। सरकार का उद्देश्य डीएपी समेत 28 तरह के उर्वरक किसानों को किफायती दरों पर उपलब्ध कराना है। नई सब्सिडी दरें 1 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक लागू रहेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि देश के किसान हमेशा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहे हैं। दुनिया भर में मुश्किल हालात होने के बावजूद सरकार किसानों का जीवन आसान बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसी दिशा में रबी सीजन 2026-27 के लिए उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मंजूरी दी गई है। इससे किसानों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिलेगी और उन्हें उचित दाम पर खाद मिलती रहेगी।

घुसपैठियों के सामने नाक रगड़ने वाले देवभूमि के लोगों को बता रहे घुसपैठिया: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

उत्तराखंड महोत्सव 2026 को मुख्यमंत्री योगी ने किया संबोधित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंडवासियों को घुसपैठिया बताने वाले बयान पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो लोग बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों से गले मिलते हैं, उनके सामने नाक रगड़ते हैं, वही देवभूमि के लोगों के प्रति जहर उगल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत भी उत्तराखंड से थे। मां गंगा, यमुना, सरयू, राप्ती और रामगंगा भी उत्तराखंड से ही आती हैं, ऐसे में उत्तराखंडवासियों को घुसपैठिया कहना छोटी सोच और विभाजनकारी मानसिकता का परिचायक है। मुख्यमंत्री बुधवार को लखनऊ के पंडित गोविंद वल्लभ पंत उपवन में आयोजित उत्तराखंड महोत्सव 2026 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के लोगों पर उंगली उठाने वाले देश की रक्षा में उनके योगदान को भूल जाते हैं। उत्तराखंड का नौजवान सीमाओं पर खड़ा होकर यह नहीं देखता कि वह उत्तराखंड की सीमा पर है, अरुणाचल में है या राजस्थान में। उसके लिए देश की सुरक्षा सर्वोपरि होती है। उन्होंने कहा कि छोटी बुद्धि के लोग महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचकर उच्छृंखल व्यवहार करते हैं। ऐसे लोगों को जनता बार बार ठुकराती है। इनकी संवेदना लोक परंपरा, लोक संस्कृति और लोक आस्था से नहीं, बल्कि दुर्दांत माफियाओं से जुड़ी होती है। माफिया के मरने पर ये आंसू बहाते हैं।

देश की रक्षा में उत्तराखंड के योगदान को किया नमन

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी वीर चंद्र सिंह गढ़वाली का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रिटिश शासन में निर्दोष भारतीयों पर गोली चलाने का आदेश मिलने पर उन्होंने साफ इनकार कर दिया था। सजा मिलने के बावजूद उनका साहस नहीं टूटा। उन्होंने देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही वर्तमान सीडीएस जनरल अनिल चौहान और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि ने देश को अनेक महान विभूतियां दी हैं। उत्तराखंड के लगभग हर परिवार में सेना के प्रति समर्पण का भाव दिखाई देता है।

अमूल और मदर डेयरी ने दूध की कीमतों में की 2 से 4 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश के प्रमुख पैकेट बंद दूध बेचने वाली कंपनियों अमूल और मदर डेयरी ने अपने अपने दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। नयी दरें 12 नवंबर 2026 (गुरुवार) से प्रभावी होंगी। अमूल ब्रांड के नाम से दूध और दुग्ध उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने सभी बाजारों के लिए अपने प्रमुख दूध पैक की कीमतों में 4 से 5 प्रतिशत की वृद्धि की है। इसके तहत सबसे ज्यादा बिकने वाले अमूल ताजा (टोंड दूध) की कीमत में 2 रुपये प्रति लीटर और अमूल गोल्ड (फुल क्रीम) की कीमत में 4 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। वहीं, दूसरी ओर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की प्रमुख आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने भी अपने सभी आपूर्ति क्षेत्रों में गुरुवार से दूध के दाम 2 से 4 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाने का फैसला किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह वृद्धि परिचालन लागत (ऑपरेटिंग कॉस्ट) में हुई बढ़ोतरी की आंशिक भरपाई के लिए की गई है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में बड़ा आतंकी हमला

मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने सीआरपीएफ चेकपोस्ट पर की अंधाधुंध फायरिंग, तीन जवान घायल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर बड़ा हमला कर दिया। बाइक पर सवार अज्ञात हमलावरों ने अखरान कैंप के पास नाका ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं। इस कायराना हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को तुरंत नजदीकी अनंतनाग के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

15 सेकेंड में 30 राउंड फायरिंग, वीडियो में कैद हुई वारदात

यह घटना दोपहर करीब सवा दो बजे की है। हमले का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि हमलावरों ने महज 15 सेकेंड के अंदर करीब 30 राउंड से ज्यादा गोलियां चलाईं। फुटेज में दिखता है कि चेकपॉइंट पर जवान तैनात थे और सामान्य तरीके से ड्यूटी कर रहे थे। तभी अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट और चीख-पुकार शुरू हो जाती है। वीडियो में एक जवान चिल्लाते हुए कहता है, 'इधर आ, जल्दी आ, गोली चल रही है।' इसके बाद हमलावर लगातार फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो जाते हैं।

पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन, जम्मू में भी हाई अलर्ट

वारदात के तुरंत बाद हमलावर मौके से भाग निकले। हमलावरों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) सुजीत कुमार खुद कुलगाम पहुंचे और सुरक्षा हालात का जायजा लिया। इस हमले के बाद एहतियात के तौर पर पूरे जम्मू शहर में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

46वीं बटालियन के तीन जवान घायल

घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर, कॉन्स्टेबल संतानो और कॉन्स्टेबल राकेश दास के रूप में हुई है। ये तीनों जवान सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन से जुड़े हैं। एक जवान के पैर, दूसरे के हाथ और तीसरे की पीठ में गोली लगी है। अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत पर नजर रखी जा रही है और उन्हें जरूरी मेडिकल मदद दी जा रही है।

क्या दिल्ली में छिपाया जा रहा है असली प्रदूषण?



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर बुधवार को आम आदमी पार्टी ने जोरदार प्रदर्शन किया। दिल्ली आप के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के दफ्तर पहुंचे। विरोध दर्ज कराने के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपनी आंखों पर काली पट्टी बांध रखी थी। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) के आंकड़ों के साथ दिनदहाड़े हेरफेर और धोखाधड़ी की जा रही है, लेकिन आयोग पूरी तरह आंखें मूंदकर बैठा हुआ है। सीएक्यूएम दफ्तर के बाहर प्रदर्शन करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा, ₹पिछले साल दिवाली की रात सरकार ने एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन बंद कर दिए थे, ताकि पटाखों से होने वाले प्रदूषण का पता न चल सके। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां कोर्ट ने सीएक्यूएम को स्टेटस रिपोर्ट देने का आदेश दिया था।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹इस साल भी दिवाली की रात दिल्ली सरकार ने मॉनिटरिंग स्टेशनों से डेटा लेना बंद कर दिया। इतना ही नहीं, जहां ज्यादा प्रदूषण है, वहां मॉनिटरिंग स्टेशनों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। लोगों को गुमराह करने और एक्यूआई कम दिखाने के लिए हरियाली वाले इलाकों में नए स्टेशन लगाए जा रहे हैं।₹ आप नेता ने आयोग की कार्यशैली पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि वे कोई धरना देने या हंगामा करने नहीं आए थे, बल्कि अपनी बात रखने पहुंचे थे। सौरभ भारद्वाज ने कहा, ₹हमने 4 नवंबर को सीएक्यूएम चेयरमैन को लिखित शिकायत भेजी थी। लगभग 10 दिन बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई और न ही हमारे पत्र का जवाब दिया गया। हमने चेयरमैन से मिलने का वक्त मांगा, लेकिन समय नहीं दिया गया। सरकार दिनदहाड़े आंकड़ों की चोरी कर रही है और सीएक्यूएम धृतराष्ट्र बनकर बैठा हुआ है। ऐसे आयोग का क्या फायदा?₹ प्रदर्शन के दौरान सीएक्यूएम दफ्तर के मुख्य दरवाजे बंद कर दिए गए। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि मिलने का समय देने के बजाय उन्हें हिरासत में लेने के लिए पुलिस की गाड़ियां बुला ली गईं।

मतदान से पहले ही भाजपा का दबदबा, 77 सीटों पर निर्विरोध जीत

विपक्ष का आरोप- उम्मीदवारों को डराया-धमकाया, हिंसा के सहारे चुनावी मुकाबले से किया बाहर



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

अगरतला। त्रिपुरा में शहरी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी चुनावी बढ़त हासिल कर ली है। नामांकन वापसी की समयसीमा समाप्त होने के बाद भाजपा के 77 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। इनमें पांच नगर निकायों की 65 सीटें ऐसी हैं, जहां विपक्षी दलों ने अपने उम्मीदवार ही नहीं उतारे। वहीं, तीन अन्य नगर निकायों की 12 सीटों पर भी भाजपा प्रत्याशियों को निर्विरोध जीत मिली है। इस घटनाक्रम के बाद जहां भाजपा खेमे में उत्साह है, वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, धलाई जिले के कमलपुर, दक्षिण त्रिपुरा के शांतिर बाजार तथा पश्चिम त्रिपुरा के रानीर बाजार, जिरानिया और मोहनपुर नगर निकायों की कुल 65 सीटों पर विपक्ष या किसी अन्य राजनीतिक दल ने प्रत्याशी नहीं उतारे थे। इसके चलते इन सभी सीटों पर भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए। इसके अलावा धलाई जिले के अंबासा, खोवाई जिले के तेलियामुरा और सिपाहीजाला जिले के बिशालगढ़ में भी भाजपा ने 12 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल की। इस तरह पार्टी के निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों की संख्या 77 पहुंच गई है।

27 नवंबर को 16 निकायों में मतदान

त्रिपुरा के सभी आठ जिलों में फैले 21 शहरी स्थानीय निकायों में कुल 345 सीटें हैं। इनमें से 16 निकायों में 27 नवंबर को मतदान होना है। अगरतला नगर निगम भी इन्हीं में शामिल है। भाजपा के 77 प्रत्याशियों के निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद शेष 268 सीटों पर चुनावी मुकाबला होगा। हालांकि, माकपा और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ने की कोशिश की थी, लेकिन कई दौर की बातचीत के बावजूद दोनों दलों के बीच चुनावी गठबंधन पर सहमति नहीं बन सकी।

राज्य चुनाव आयोग के मुताबिक, चुनाव में कुल 6,29,903 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। इनमें 3,21,743 महिलाएं, 3,08,115 पुरुष और 45 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं। अगरतला नगर निगम में 51 सीटें हैं। कुल 345 सीटों में से 162 महिलाओं, 80 अनुसूचित जाति और नौ अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। सभी 21 शहरी स्थानीय निकायों का कार्यकाल 9 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 27 नवंबर को मतदान और 2 दिसंबर को मतगणना होगी। मतदान से पहले ही 77 सीटों पर भाजपा की निर्विरोध जीत ने चुनावी तस्वीर का एक बड़ा हिस्सा साफ कर दिया है।

अब शेष सीटों पर होने वाला मुकाबला तय करेगा कि त्रिपुरा के शहरी निकायों में भाजपा अपना दबदबा कितना कायम रख पाती है। वहीं, विपक्ष के आरोपों ने चुनाव की निष्पक्षता और प्रशासन की भूमिका को भी राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

विपक्ष ने लगाए डराने-धमकाने और हिंसा के आरोप

भाजपा की इस बढ़त के बीच विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ पार्टी पर चुनावी मुकाबले को प्रभावित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। माकपा और कांग्रेस का दावा है कि उनके उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए धमकियां दी गईं और कई स्थानों पर हिंसा का सहारा लिया गया। विपक्ष के अनुसार, उम्मीदवारों के साथ-साथ उनके प्रस्तावकों को भी डराया गया, ताकि वे नामांकन और चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा न ले सकें। माकपा के राज्य सचिव एवं विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने वाम मोर्चा के नेताओं, उम्मीदवारों और समर्थकों पर हमले किए। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न जिलों में हुई हिंसक घटनाओं में माकपा के 20 से अधिक नेता और कार्यकर्ता घायल हुए हैं। चौधरी के मुताबिक, इन घटनाओं को लेकर पुलिस और राज्य चुनाव आयोग से बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने राज्य पुलिस पर त्रिपुरा उच्च न्यायालय के उस आदेश की अवहेलना का भी आरोप लगाया, जिसमें विपक्षी उम्मीदवारों को सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य सुदीप रॉय बर्मन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने भी सत्तारूढ़ दल पर डराने-धमकाने और हिंसा के जरिए चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाया है।

नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में बनेगा युगे-युगीन भारत संग्रहालय

कैबिनेट ने 3,230 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया,)। नई दिल्ली के ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक परिसर में दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स ने 'युगे युगीन भारत म्यूजियम' (YYBM) के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 3,230 करोड़ रुपये तय की गई है, जिसे पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) पहले ही मंजूरी दे चुका है। यह म्यूजियम भारत की हजारों साल पुरानी सभ्यता, संस्कृति, कला और ज्ञान की पूरी यात्रा को एक जगह दिखाएगा। सरकारी दफ्तरों के दूसरी जगह शिफ्ट होने के बाद इन ऐतिहासिक इमारतों की वास्तुकला और विरासत को बिना नुकसान पहुंचाए एक बड़े सांस्कृतिक केंद्र में बदला जाएगा।

दुनिया में सबसे बड़े डिस्प्ले एरिया वाला म्यूजियम

यह म्यूजियम लगभग 1,78,509 वर्ग मीटर के बने हुए क्षेत्र में फैला होगा। बड़े अंतरराष्ट्रीय म्यूजियम्स की तुलना में युगे युगीन भारत म्यूजियम दुनिया का सबसे बड़ा डिस्प्ले एरिया (प्रदर्शनी क्षेत्र) वाला म्यूजियम बनेगा। यहां आधुनिक तकनीक, 3डी और डिजिटल अनुभव के जरिए भारत की ऐतिहासिक यात्रा को पेश किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 मई 2023 को इस म्यूजियम को बनाने का ऐलान किया था। अब पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड की सिफारिशों पर संस्कृति मंत्रालय की सहमति के बाद कैबिनेट ने इस पर अंतिम मुहर लगा दी है।

2027 में खुलेगी पहली गैलरी, दिखेंगी 18 लाख ऐतिहासिक चीजें

यह प्रोजेक्ट वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 के बीच चरणों में पूरा किया जाएगा।

पहली गैलरी : नॉर्थ ब्लॉक में 'श्रृंगार' (अडोर्नमेंट) थीम पर आधारित पहली गैलरी साल 2027 के अंत तक आम लोगों के लिए खोल दी जाएगी।

18 लाख धरोहरें : राष्ट्रीय संग्रहालय, संस्कृति मंत्रालय के अन्य संग्रहालयों, 52 एएसआई साइट म्यूजियम, राज्यों के संग्रहालयों और निजी संग्रहों से लगभग 18 लाख ऐतिहासिक चीजों की पहचान की गई है, जिन्हें यहां प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रमुख थीम गैलरी : इसके अलावा वास्तुकला और शहर, गणित और खगोल विज्ञान, भाषाएं और लिपियां, धर्म और आध्यात्मिकता, तथा व्यापार और विचारों के आदान-प्रदान जैसे विषयों पर अलग-अलग गैलरी तैयार की जाएंगी।

हर साल 1 करोड़ दर्शकों के आने की उम्मीद, रोजगार के खुलेंगे रास्ते

यह केवल एक म्यूजियम नहीं होगा, बल्कि भारत की संस्कृति को दुनिया के सामने रखने का सबसे बड़ा केंद्र बनेगा। सालाना 1 करोड़ दर्शक : इस म्यूजियम को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि यह साल भर में 1 करोड़ दर्शकों की आवाजाही को आसानी से संभाल सके।

संपादक की कलम

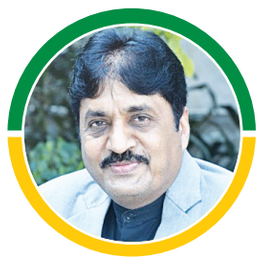
क्या डिजिटल निर्भरता देश की नई कमजोरी बन रही है?



ललित शर्मा
संपादक

क भी धुआँ, गोलियाँ, लड़ाकू विमान और सरहदों पर आमने-सामने खड़ी सेनाएँ युद्ध की पहचान थीं। लेकिन अब युद्ध का तरीका बदल चुका है। न सैनिक दिखाई देते हैं, न हथियारों की आवाज सुनाई देती है। एक डिजिटल हमला हजारों किलोमीटर दूर से आपके घर की रसोई तक असर पहुँचा सकता है। कंप्यूटर पर कुछ अंकों में बदलाव से फ्रिज का तापमान बढ़ सकता है और उसमें रखा भोजन खराब हो सकता है। अब दुश्मन को घर में घुसने या सीमा पार करने की जरूरत नहीं, वह दूर बैठकर ही आपकी रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित कर सकता है। अक्टूबर 2026 में फ्रांस के सुपरमार्केटों में हुई घटना ने युद्ध के इस नए स्वरूप की झलक दिखाई, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक विज्ञान-कथा में ही की जाती थी। फ्रांस में करीब 700 सुपरमार्केट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान साइबर हमले की चपेट में आए। अक्टूबर की एक रात हमलावरों ने रेफ्रिजरेशन सिस्टम का तापमान दूर से बढ़ा दिया। कुछ इकाइयों में यह 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया, जिससे मांस, दूध और अन्य खाद्य सामग्री खराब हो गई। कम से कम 15 स्थानों पर आग लगी और लाखों यूरो का खाद्य भंडार नष्ट हुआ। नवंबर 2026 की शुरुआत में फ्रांसीसी अधिकारियों ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से जुड़ी साइबर इकाई 'शहीद कावेह' पर हमले का आरोप लगाया। जाँच में फारसी भाषा और ईरानी इंटरनेट पतों के संकेत मिले। फ्रांस ने ईरानी राजदूत को तलब कर यूरोपीय प्रतिबंधों की पहल की। ईरान ने आरोपों को निराधार बताया। स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है। इस घटना का दायरा फ्रांस और ईरान के बीच राजनयिक विवाद तक सीमित नहीं है। अब तक साइबर युद्ध को बैंकिंग नेटवर्क में सेंध लगाने, सरकारी वेबसाइटें ठप करने, गोपनीय जानकारियाँ चुराने और संचार व्यवस्था बाधित करने तक समझा जाता था। लेकिन फ्रांस की घटना ने स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल हमले का असर वास्तविक दुनिया में आग, भारी आर्थिक क्षति और खाद्य संकट के रूप में सामने आ सकता है। यानी कंप्यूटर पर शुरू हुई कार्रवाई सीधे आम आदमी के जीवन और जरूरतों को प्रभावित कर सकती है। अब चिंता केवल पासवर्ड चोरी की नहीं, बल्कि लोगों की थाली तक भोजन पहुँचने की है। इस हमले की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसके लिए किसी जटिल हथियार की जरूरत नहीं पड़ी। सुपरमार्केटों में लगे डैनफॉस जैसे तापमान नियंत्रकों के वेब इंटरफेस इंटरनेट पर खुले थे। कमजोर या डिफॉल्ट पासवर्ड और सुरक्षा की कमी ने हमलावरों के लिए इन तक पहुँच आसान बना दी। भोजन सुरक्षित रखने वाले उपकरण ही विनाश का जरिया बन गए। जिस फ्रिज का काम भोजन बचाना था, उसकी डिजिटल कमजोरी ने वही भोजन नष्ट कर दिया। इससे स्पष्ट है कि आधुनिक तकनीक की कसौटी केवल उसकी स्मार्टनेस नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा भी है। भारत इस घटना को यूरोप की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी खाद्य व्यवस्था कोल्ड चेन पर निर्भर है। खेत से मंडी, गोदाम और प्रसंस्करण इकाई तक दूध, फल, सब्जियाँ, मांस और मछली सुरक्षित पहुँचाने में तापमान नियंत्रित भंडारण अहम है। शहरीकरण, लंबी आपूर्ति श्रृंखलाओं और बदलते मौसम ने इसकी जरूरत बढ़ा दी है। यदि किसी बड़े शहर के कई कोल्ड स्टोरेज एक साथ हैक हो जाएँ, तो हजारों टन खाद्य सामग्री नष्ट हो सकती है। आपूर्ति घटने से कीमतें बढ़ेंगी, छोटे व्यापारी कर्ज में डूबेंगे और परिवारों का बजट बिगड़ेगा। खाद्य संकट केवल फसल की कमी से नहीं, तकनीकी लापरवाही से गोदामों में रखा भोजन नष्ट होने से भी पैदा हो सकता है।

पन्नू प्रकरण में समन से संप्रभुता तक उठे गंभीर सवाल



ललित गर्ग
लेखक



अमेरिकी अदालत द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के दीवानी मुकदमे के सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल तथा अन्य भारतीय अधिकारियों को समन जारी करने की प्रक्रिया ने भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ह्लकिसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता ह्ल अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बढ़ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं।

पन्नू लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों के लिए चर्चा में रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है और उसके संगठन सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे व्यक्ति द्वारा भारत के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिकी अदालत में दीवानी मुकदमा दायर करना स्वाभाविक रूप से भारत के लिए संवेदनशील विषय है। भारत की चिंता केवल आरोपों तक सीमित नहीं है; चिंता यह भी है कि विदेश में बैठा कोई भारत-विरोधी तत्व किसी विदेशी न्यायिक व्यवस्था को भारत के विरुद्ध राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न कर सके। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगाकृह्लअमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अमेरिकी सरकार की विदेश नीति एक ही बात नहीं हैं ह्ल यदि किसी व्यक्ति को अमेरिकी कानून के तहत मुकदमा दायर करने का अधिकार है, तो अदालत उस पर विचार कर सकती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं निकाला जा सकता कि अमेरिकी सरकार उन आरोपों से सहमत है। इसी प्रकार अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा किसी न्यायिक दस्तावेज को राजनयिक माध्यम से भारतीय दूतावास तक पहुंचाना अपने आप में आरोपों की पुष्टि नहीं करता। वह कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

फिर भी भारत की आपत्ति का महत्व कम नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ह्लकानूनी प्रक्रिया और राजनयिक मयार्दा दोनों साथ-साथ चलती हैं ह्ल किसी विदेशी सरकार या उसके वरिष्ठ अधिकारियों को न्यायिक दस्तावेज तामील कराने के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है। भारत का यह कहना उचित है कि विदेशी न्यायिक दस्तावेजों की तामील के लिए निर्धारित भारतीय केंद्रीय प्राधिकरण और विधिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि इस प्रक्रिया को दरकिनार करने की कोशिश होती है, तो वह केवल तकनीकी भूल नहीं रह जाती, बल्कि संप्रभुता और पारस्परिक सम्मान का प्रश्न बन जाती है। इस पूरे विवाद का दूसरा बड़ा पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा है। अजीत डोभाल भारत की सुरक्षा नीति के अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी हैं। किसी विदेशी अदालत में उनके विरुद्ध व्यक्तिगत रूप से लगाए गए आरोपों को केवल सामान्य दीवानी विवाद मानना भारत के लिए कठिन होगा। सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज और निर्णय अनेक बार गोपनीय सूचनाओं तथा राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में भारत को कानूनी जवाब देने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलताओं की भी रक्षा करनी होगी।

हालांकि भारत को इस मामले में भावनात्मक प्रतिक्रिया से बचना चाहिए। ह्लदृढ़ता और आक्रामकता में अंतर है ह्ल भारत की शक्ति उसकी संस्थागत स्थिरता, संवैधानिक व्यवस्था और कूटनीतिक संयम में भी दिखाई देती है। इसलिए उचित रास्ता यही होगा कि भारत अमेरिकी न्यायालय के समक्ष क्षेत्राधिकार, संप्रभु प्रतिरक्षा और अन्य लागू कानूनी आधारों पर अपना पक्ष मजबूती से रखे तथा साथ ही अमेरिकी प्रशासन के साथ स्पष्ट राजनयिक संवाद जारी रखे। यह घटनाक्रम कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद की याद भी दिलाता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में सक्रिय भारत-विरोधी अलगाववादी समूहों ने वहां की लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों का उपयोग भारत विरोधी प्रचार के लिए किया है। लोकतांत्रिक देशों को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन ह्ललोकतांत्रिक स्वतंत्रता का अर्थ किसी दूसरे देश की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करना नहीं हो सकता ह्ल भारत-अमेरिका संबंध आज रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, हिंद-प्रशांत रणनीति और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में पन्नू प्रकरण को दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर हावी होने देना किसी के हित में नहीं होगा। व्यापार और टैरिफ को लेकर पहले से मतभेद हैं; यदि उनके ऊपर इस प्रकार के संवेदनशील न्यायिक और आतंकवाद संबंधी विवाद भी लगातार जुड़ते रहे, तो संबंधों में अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि ह्लभारत कोई ऐसा देश नहीं है जिसे दबाव की भाषा से अपनी नीतियां बदलने के लिए विवश किया जा सके ह्ल भारत आतंकवाद और अलगाववाद के प्रश्न पर अपने राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। साथ ही भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि वह अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करता है, लेकिन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के सम्मान पर कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा।

अमेरिका के लिए भी यह आत्ममंथन का अवसर है। यदि वह भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी आतंकवादी या अलगाववादी गतिविधियों के लिए न हो। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है, जब आतंकवाद की परिभाषा राजनीतिक सुविधा के अनुसार न बदली जाए। पन्नू प्रकरण का समाधान अदालतों और कूटनीतिकृदोनों स्तरों पर तलाशना होगा। भारत को न तो अनावश्यक रूप से उत्तेजित होने की जरूरत है और न ही किसी दबाव में आने की। उसे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट, दृढ़ और मर्यादित रुख अपनाना चाहिए।

क्या ऐसे होंगे हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार?



निर्मल रानी
लेखिका



इन दिनों सत्ता, गोदी मीडिया व सोशल मीडिया द्वारा सुनियोजित तरीके से प्रचारित कर जनता पर थोपे गये बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने विवादित बयानों को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं।परन्तु इसबार उनके मुंह से जिस तरीके से भगवान श्री कृष्ण को लेकर अपमानजनक बातें की गयीं और उनका मजाक उड़ाया गया और जिन शब्दों व जिस अंदाज में पेश किया गया वह उनके क्षमा मांगने के बावजूद अक्षम्य है। गौरतलब है कि धीरेंद्र शास्त्री ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक कथा के दौरान भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप व मुद्रा की तुलना करते हुये कहा कि ' 'हमारे वाले' श्रीराम बिल्कुल सीधे खड़े होते हैं, जबकि 'तुम्हारे वाले' श्रीकृष्ण की मुद्रा और चाल 'टेढ़ी' होती है। उन्होंने कृष्ण के बांसुरी बजाने को बच्चों का खेल और धनुष-बाण चलाने को बड़ी बात बताया। उन्होंने 'हमारे वाले राम' और 'उनके वाले कृष्ण' जैसी शब्दावली का प्रयोग कर सनातन धर्म में जातिवाद की लकीर खींचने का भी दुष्प्रयास किया। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान पर देशभर के संतों,नेताओं, कृष्ण भक्तों और यादव समाज ने कड़ी आपत्ति जताई। तभी मौके की नजाकत को भांप कर इस 'लंपट' ने क्षमा मांगने में ही अपनी भलाई समझी। उसके आलोचकों का आरोप है कि ऐसे बयान से भगवान कृष्ण का उपहास उड़ाया गया है। इस मामले में आगरा की सिविल कोर्ट में उसके खिलाफ एक आपराधिक मानहानि की शिकायत भी दर्ज कराई गई।

इसी विवाद के बीच पिछले दिनों रायपुर में आयोजित एक कथा के दौरान शास्त्री ने सनातनियों से एकजुट होने की अपील करते हुये नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रसिद्ध नारे 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा ' की तर्ज पर एक नया नारा दिया है। धीरेंद्र शास्त्री का नारा है- ₹तुम मेरा साथ दो, मैं हिंदू राष्ट्र बनाऊंगा।₹ परन्तु सवाल यह है कि क्या 'हमारे राम' और 'तुम्हारे कृष्ण' जैसी दुर्भावनापूर्ण बातें कर समाज में फूट डलवाने की कुचेष्टा करने वाला व्यक्ति भी हिन्दू राष्ट्र का सूत्रधार बनने का सपना देख सकता है ? इसके द्वारा भरी सभा में अपने भक्तों के बीच की गयी बकवास की सूची बहुत लंबी है। कभी यह ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक भागवत कथा के दौरान महिलाओं के पहनावे और श्रृंगार को लेकर कहता है कि जिस महिला की मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र न हो, उसे 'खाली प्लॉट' समझा जाए।इसके साथ ही इस ने ब्यूटी पार्लर जाने वाली महिलाओं पर भी तंज कसते हुए कहा था कि वे 'काले जामुन पर फाउंडेशन' लगा देती हैं। उसका यह बयान काफी चर्चा में रहा। सोशल मीडिया और महिला संगठनों द्वारा इस बयान की तीखी आलोचना भी की गई थी। आलोचकों ने इसे पितृसत्तात्मक, स्त्री-विरोधी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला बयान बताया था। एक अन्य कथा के दौरान रामायण के प्रसंगों की व्याख्या करते हुए उसने व्यास मंच से कहा था कि ₹विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन श्री राम जी के पांच पिता थे₹ ।इस बयान की क्लिप वायरल होने के बाद सनातन धर्म के कई जानकारों ने इस पर सवाल उठाए। हालांकि, बाद में इसकी ओर से यह सफाई दी गयी कि उसका आशय जैविक पिताओं से नहीं, बल्कि रामायण के राजा दशरथ, राजा जनक, जटायु, सुग्रीव जैसे उन पांच चरित्रों से था जिन्हें प्रभु राम ने पिता तुल्य सम्मान या दर्जा दिया था। परन्तु आलोचकों का कहना था कि व्यास पीठ से शब्दों का चयन अधिक जिम्मेदारी से होना चाहिए। इसी तरह अप्रैल 2026 में नागपुर में एक धार्मिक सभा के दौरान शास्त्री ने आधुनिक जीवनशैली और पारिवारिक मूल्यों को लेकर एक वक्तव्य दिया। उस ने टिप्पणी की थी कि आजकल कुलीन या अमीर परिवारों की महिलाएं भी शराब पीने लगी हैं, और ऐसी आदतें बच्चों के पालन-पोषण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। इस बयान पर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर प्रतिक्रियाएं आईं थीं । कांग्रेस नेताओं सहित कई विपक्षी महिला नेताओं ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए सार्वजनिक मुआफी की मांग की थी और विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी थी।

हिन्दू राष्ट्र के इसी स्वयंभू सूत्रधार ने एक बार सार्वजनिक मंच से कहा था कि हिंदू परिवारों को तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए और उनमें से एक बच्चे को राष्ट्र व धर्म की सेवा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या बजरंग दल को समर्पित कर देना चाहिए। इस बयान को आलोचकों और विपक्षी दलों द्वारा अत्यधिक राजनीतिक और समाज में ध्रुवीकरण बढ़ाने वाला माना गया था। अपने भक्तों को सरे आम 'पागल' कहकर संबोधित करने वाला यह व्यक्ति प्रयागराज संगम में भगदड़ में अपनी जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं है कि 'गंगा किनारे मरने वाला मरता नहीं बल्कि मोक्ष पाता है 'तो कभी मछली खाने वाले बंगालियों को राक्षस व विधर्मी बता कर विवाद खड़ा कर देता है। कभी कहता है कि संत तुकाराम की पत्नी रोज उन्हें डंडे से मारती थी तो कभी करवा चौथ का नाम 'खसम पूजन दिवस ' रख कर इस व्रत का मजाक उड़ाता है। कभी कहता है कि लोधियों के डी एन ए में गड़बड़ है इसलिए वे मेरे विरोधी हैं तो कभी कहता है कि मुसलमानों के पास अली हैं तो हमारे पास बजरंगबली हैं। ऐसे घटिया व विवादित बयानों के अलावा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने दरबार में लोगों की पर्ची निकालने , भूत-प्रेत भगाने और बिना मेडिकल टेस्ट के बीमारियां ठीक करने के दावे भी करता है जिसे लेकर वैज्ञानिक व कानूनी विवाद हो चुका है। एक बार तो 'अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति' ने नागपुर में उसके दावों को चुनौती दी और 3 लाख इनाम की चुनौती रखी। परन्तु शास्त्री ने यह चुनौती स्वीकार नहीं की। समिति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि धर्म की आड़ में अंधविश्वास और जादू-टोने को बढ़ावा देकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। थोथी लोकप्रियता हासिल करने के लिये भले ही यह व्यक्ति हिन्दू-मुस्लिम व हिन्दू राष्ट्र का राग अलापता रहता हो परन्तु धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने कई इंटरव्यू में खुद बताया है कि जब उस का परिवार अत्यधिक आर्थिक तंगी से गुजर रहा था, तब उनकी सगी बहन की शादी के समय शेख मुबारक नाम के उनके एक घनिष्ठ मुस्लिम मित्र ने उसे 20,000 रुपए देकर आर्थिक सहायता की थी। सवाल यह है कि क्या ऐसी घटिया,द्वेषपूर्ण मानसिकता रखने वाले व समाज में धर्म व जातियों यहाँ तक कि भगवानों में अंतर पैदा करने व अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाले इसी तरह के सत्ता प्रायोजित नफरती लोग ही हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार होंगे ?

मूक बना यहाँ विद्वान

उदय कशोर साह



कविता

कैसा दिन दिखलाये, आज भगवान ।
धरा पे पीटा रहे हैं, जहाँ इन्सान ।।
शरीफों की नहीं,यहाँ पे कद्रदान ।
मस्ती में पागल है, यहाँ पे बेईमान ।।

कैसा दिन दिखलाये, आज भगवान ।
मयार्दा जग से हो गई, गुमनाम ।।
शराफत झेल रहा, नित्य अपमान ।
धुर्तों की बन गई, ये सारे जहान ।।

कैसा दिन दिखलाये, आज भगवान ।
नारी जाति है जहाँ पर, परेशान ।।
दु :शाषण घुम रहे हैं खुले,सरेआम ।
बेशरमों की खुल पड़ी है, दुकान ।।

कैसा दिन दिखलाये, आज भगवान ।
बेईज्जत बेआबरू होते, जहाँ विद्वा ।।
कैसे बचे ईमान, यहाँ पे, हे। राम ।
तांडव कर रहे हैं, जहाँ पे हैवान ।।

कैसा दिन दिखलाये, आज भगवान ।
लुप्त हो गये धरा से, मान सम्मान ।।
ठहाका लगा रहा है, दुनियां के शैतान ।
मूक दर्शक बन बैठा, मौन ज्ञानवान ।।

श्रम, संकल्प, सहजता और विनम्रता मनुष्य जीवन के सच्चे सन्मार्ग हैं



संजीव ठाकुर
लेखक



मनुष्य की सदैव चाहत होती है कि उसे लक्ष्य और सफलता जल्द से जल्द प्राप्त हो पर वस्तुतः ऐसा होता नहीं है, स्थाई सफलता के लिए कठोर श्रम, संकल्प, सहजता और विनम्रता सच्चे सन्मार्ग हैं। जल्दी का काम शैतान का होता है ऐसा कहावतें कहती है, लक्ष्य प्राप्ति के लिए जीवन में निरंतर श्रम सहजता सरलता और संघर्ष के साथ संयम का बड़ा योगदान होता है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है। क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता बल्कि उनके विचारों को उनके सुझाओं को प्राप्त कर नए-नए समाधान भी निकलता है। महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र तथा शस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह थे जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी एवं परम सुखी होता है क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा इच्छा, लोभ,जलन अथवा प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है, वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी पर महात्मा बुध ने बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे और उनके अथक प्रयास ,विनम्रता और ज्ञान के दम पर महापरिनिर्वाण की स्थिति को प्राप्त किया। जिस तरह शक्ति को दबाया जा सकता है किंतु समाप्त नहीं किया जा सकता उसी प्रकार विनम्रता कुछ समय के लिए कमजोर प्रतीत हो सकती है अंततः उसकी अपनी क्षमता व्यापकता और पर्वत के समान कठोर तत्वों के कारण वह हर बाधा को पार कर मनुष्य को सफलता दिलाने में सक्षम होती है इसी विनम्रता और कठोर श्रम के चलते महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया और भारतवासियों को अपनी विनम्रता से स्वाधीनता का स्वाद चखाया। यही बात हमारी भारतीय सनातन तथा वैदिक संस्कृति पर भी लागू होती है वह हजारों वर्ष से अब तक सुरक्षित बनी हुई है। विनम्रता व्यक्ति हो या संस्कृति उसे विनम्रता स्थायित्व प्रदान करती है एवं आने वाले मार्ग की बाधाओं को समाप्त कर देती है जैसा कि अहंकार का अस्थाई तथा क्षणभंगुर होता है, किसी भी राष्ट्र संस्कृति समाज के स्थायित्व के लिए उसका विनम्र तथा सहिष्णु होना आवश्यक है । इसीलिए यह माना जाता है कि मनुष्य, समाज ,देश के लिए विनम्रता सर्वश्रेष्ठ अवदान है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों पर डीएम सख्त, अधिकारियों को दिए निर्देश

घाटों से लेकर पार्किंग और यातायात व्यवस्था तक रहेगी प्रशासन की निगरानी, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गोताखोरों, नावों और पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती के निर्देश

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा







हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर में आगामी कार्तिक पूर्णिमा मेले को सकुशल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में मेला स्थल पर मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाने वाली मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी कविता मीना ने पूरे मेला क्षेत्र को विभिन्न जोन और सेक्टर में विभाजित कर प्रत्येक क्षेत्र के लिए मजिस्ट्रेटों एवं पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारियां निर्धारित कीं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण करें और व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए रखें। किसी भी प्रकार की समस्या, अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति सामने आने पर तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचना दी जाए, ताकि समय रहते उसका समाधान कराया जा सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा मेला धार्मिक आस्था और श्रद्धा से जुड़ा बड़ा आयोजन है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु गढ़मुक्तेश्वर पहुंचकर गंगा स्नान करते हैं। ऐसे में प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, ताकि मेले के दौरान किसी भी श्रद्धालु को परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गंगा स्नान के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त संख्या में गोताखोरों, नावों और पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। घाटों पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएं। जल पुलिस और संबंधित सुरक्षा कर्मियों को भी पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि घाटों पर भीड़ का दबाव बढ़ने की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। श्रद्धालुओं के आवागमन के रास्ते व्यवस्थित रखे जाएं और किसी भी स्थान पर अनावश्यक भीड़ एकत्र न होने दी जाए। विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा एवं सुविधा का ध्यान रखने पर जोर दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने मेला क्षेत्र में पार्किंग, यातायात व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं को समय से पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग स्थलों पर उचित व्यवस्था होनी चाहिए। यातायात पुलिस और संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति न बने तथा श्रद्धालुओं को घाटों तक पहुंचने और वापस लौटने में अनावश्यक परेशानी न हो। मेला क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था रखने, पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने और नियमित सफाई कराने के भी निर्देश दिए गए। इसके साथ ही चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा गया, ताकि किसी श्रद्धालु की तबीयत खराब होने या आपात स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

जिलाधिकारी कविता मीना ने सभी मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी ड्यूटी को गंभीरता से निभाएं और मेला क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा मेले को व्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन, पुलिस और अन्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले से संबंधित सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं और व्यवस्थाओं का लगातार निरीक्षण किया जाए।

त्रिवेणी शुगर मिल नारायनपुर में पेराई सत्र का शुभारंभ



वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा(रामपुर)। क्षेत्र की त्रिवेणी शुगर मिल में बुधवार को पेराई सत्र 2026-27 का विधिवत शुभारंभ हो गया। इकाई प्रमुख दिनेश चहल ने पूजन-अर्चना के बाद सत्र की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने नए पेराई सत्र के सफल और निर्बाध संचालन की कामना की। किसानों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि गन्ना निर्धारित तिथि और पर्ची के अनुसार ही मिल में पहुंचाया जाए। साथ ही गन्ना ताजा और साफ-सुथरा होना चाहिए। चीनी मिल प्रबंधन ने सभी गन्ना किसानों को नए सत्र की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्रबंधन ने बेहतर गन्ना आपूर्ति व्यवस्था और समय पर भुगतान का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में गन्ना समिति स्वार के चेयरमैन, डायरेक्टर, विभागीय अधिकारी, मिल के अधिकारी-कर्मचारी सहित भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष चौधरी राजपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष राहुल यादव, टांडा नगर अध्यक्ष मजहर अली लाला, युवा नगर अध्यक्ष फरीद खान, जिला संगठन मंत्री साबिर अली, जसवंत सिंह, चौधरी अजित सिंह, बलजीत सिंह, पूरन सिंह, सरदार हैप्पी सिंह, मोहम्मद हारून, हसीन खान, नाजिम, भूरा आदि किसान और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गढ़ गंगा कार्तिक मेले की सुरक्षा व्यवस्था का एसपी मधुबन कुमार ने लिया जायजा



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार ने सीओ राहुल यादव के साथ थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्रांतर्गत मेला स्थल का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेले में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में जरूरी निर्देश दिए।

पुलिस को देखकर नहर की पटरी पर मुड़कर भागने लगा युवक, तलाशी में तमंचा बरामद

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



हापुड़। जनपद के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचे और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को देखकर युवक रास्ता बदलकर नहर की कच्ची पटरी की ओर तेजी से जाने लगा। शक होने पर पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम को उपनिरीक्षक गौरव वशिष्ठ उपनिरीक्षक रामधन सिंह और कांस्टेबल रजत सोलंकी के साथ क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस टीम कुचेसर चौपला से रसूलपुर की ओर जा रही थी। रसूलपुर नहर की पटरी के पास सामने से एक युवक आता दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर वह नहर की कच्ची पटरी की तरफ मुड़कर तेज कदमों से चलने लगा।युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिसकर्मियों ने पीछा कर करीब 100 मीटर आगे घेराबंदी करके उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम संदीप निवासी गांव सिखेड़ा, थाना सिंभावली बताया। तलाशी लेने पर उसके लोअर की जेब से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस मिला। पुलिस के अनुसार, आरोपित तमंचे का लाइसेंस नहीं दिखा सका।इसके बाद पुलिस ने संदीप को गिरफ्तार कर लिया। थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार के अनुसार, आरोपित के खिलाफ धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

नहाय-खाय के साथ कल से शुरू होगा छठ महापर्व, 16 नवंबर को उगते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

वेलकम इंडिया संवाददाता



हापुड़। सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुक्रवार, 13 नवंबर से नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। कार्तिक शुक्ल पक्ष में मनाया जाने वाला यह चार दिवसीय पर्व 16 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा-अर्चना करेंगे। व्रती परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु, आरोग्य और कल्याण की कामना के साथ कठिन नियमों का पालन करते हुए व्रत रखेंगे। वैदिक सनातन ज्योतिष कर्मकांड महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ज्योतिर्विद पंडित सुबोध पांडेय ने बताया कि छठ महापर्व की शुरूआत 13 नवंबर शुक्रवार को नहाय-खाय से होगी। इस दिन व्रती स्नान कर घर की साफ-सफाई और शुद्धता का विशेष ध्यान रखेंगे। इसके बाद अरवा चावल, लौकी और चने की दाल से तैयार सात्विक भोजन ग्रहण कर पर्व का संकल्प लेंगे। छठ पूजा में स्वच्छता, पवित्रता और नियमों का विशेष महत्व होता है। उन्होंने बताया कि 14 नवंबर शनिवार को खरना मनाया जाएगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखेंगे और शाम को पूजा-अर्चना के बाद गुड़, गाय के दूध और चावल से बनी खीर तथा रोटी का प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद प्रसाद परिवार के सदस्यों और परिचितों में वितरित किया जाएगा। खरना के साथ ही व्रतियों का लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा, जिसका समापन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद होगा। पंडित सुबोध पांडेय के अनुसार, 15 नवंबर रविवार को छठ पर्व का सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान संध्या अर्घ्य होगा। इस दिन व्रती निर्जला उपवास रखेंगे और शाम करीब 5:24 बजे नदी, तालाब, सरोवर या निर्धारित पूजा स्थल पर जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। इस दौरान फल, फूल, ठेकुआ और अन्य पारंपरिक पूजन सामग्री से सजे सूप और दउरा के माध्यम से सूर्यदेव की आराधना की जाएगी। अर्घ्य के बाद व्रती रात्रि जागरण करेंगे और भजन-कीर्तन के माध्यम से छठी मैया का गुणगान करेंगे। उन्होंने बताया कि 16 नवंबर सोमवार को सुबह करीब 6:49 बजे उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा का समापन होगा। इसके बाद हवन और पूजा-अर्चना की

मुदाफरा चौकी इंचार्ज रोहित माथुर ने चलाया भैया दूज पर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता, हेल्मेट पहनने के फायदे बताए

वेलकम इंडिया/हरेन्द्र शर्मा



हापुड़। जनपद में बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के मुदाफरा चौकी इंचार्ज रोहित माथुर की एक नई पहल सड़क पर दौड़ रहे दो पहिया वाहन को लेकर सड़कों पर बढ़ती भीड़ और वाहनों की आवाजाही के बीच लोगों की सुरक्षा को लेकर मुदाफरा पुलिस सक्रिय नजर आई। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए चौकी प्रभारी रोहित कुमार ने पुलिस बल के साथ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को रोककर सुरक्षित यातायात के नियमों की जानकारी दी गई।चौकी प्रभारी रोहित कुमार ने लोगों को समझाया कि त्योहार के दौरान बाजारों और मुख्य मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। थोड़ी सी लापरवाही न केवल वाहन चालक, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए भी खतरा बन सकती है। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से बिना हेलमेट घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की।उन्होंने कहा कि हेलमेट यातायात नियमों का पालन करने के साथ-साथ जीवन की सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण साधन है। सड़क दुर्घटना के दौरान हेलमेट सिर में गंभीर चोट लगने के खतरे को कम करने में मदद करता है। इसलिए केवल पुलिस कार्रवाई या चालान के डर से नहीं, बल्कि अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनना चाहिए।अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को निर्धारित गति में वाहन चलाने, यातायात संकेतों का पालन करने और सड़क पर जल्दबाजी से बचने की सलाह दी। साथ ही दोपहिया वाहन पर चालक के साथ पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया। मुदाफरा चौकी प्रभारी रोहित माथुर ने कहा कि सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल पुलिस की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की है। यातायात नियमों का पालन करके ही दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। त्योहार की खुशियां सुरक्षित रहें, इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

वाहनों का संचालन बढ़ने और पटाखों के जलने से 69 अंक बढ़ा वायु प्रदूषण

मंगलवार को 147 था वायु गुणवत्ता सूचकांक, बुधवार को बढ़कर 216 पर पहुंचा, प्रमुख मार्गों पर दिनभर बना रहा वाहनों का दबाव

वेलकम इंडिया संवाददाता



हापुड़। दीपावली के बाद वायु प्रदूषण के स्तर में आई गिरावट से लोगों को कुछ राहत मिलने लगी थी, लेकिन भैयादूज के अवसर पर जिले की हवा एक बार फिर प्रदूषित हो गई। बुधवार को वाहनों की बढ़ती आवाजाही, सड़कों पर उड़ती धूल और पटाखों से निकलने वाले धुएं के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में एक ही दिन में 69 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मंगलवार को जिले का औसत एक्यूआई 147 था, जो बुधवार को बढ़कर 216 पर पहुंच गया। अचानक बढ़े प्रदूषण के स्तर ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। एक बार फिर शहरवासियों को प्रदूषित हवा में सांस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। दीपावली के बाद लगातार प्रदूषण कम होने से उम्मीद जताई जा रही थी कि अब हवा की गुणवत्ता में धीरे-धीरे सुधार होगा। मंगलवार को एक्यूआई 147 दर्ज होने से लोगों को काफी राहत मिली थी। हालांकि, बुधवार को भैयादूज के त्योहार पर हालात बदल गए। सुबह से ही शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की आवाजाही बढ़ गई। बाजारों, चौराहों और मुख्य सड़कों पर दोपहिया तथा चारपहिया वाहनों के साथ भारी वाहनों का भी दबाव बना रहा। वाहनों से निकलने वाले धुएं और सड़क पर उड़ती धूल के कणों ने वातावरण में प्रदूषण का स्तर बढ़ाने में भूमिका निभाई। त्योहार के चलते लोग बड़ी संख्या में अपने परिवार और रिश्तेदारों से मिलने के लिए घरों से निकले। इससे सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में अधिक वाहन दिखाई दिए। मेरठ रोड सहित शहर के प्रमुख मार्गों पर सुबह से ही वाहनों की आवाजाही बनी रही। कई स्थानों पर धुंध जैसी स्थिति भी देखने को मिली। वाहनों के लगातार गुजरने से सड़कों की धूल हवा में फैलती रही, जिससे वातावरण की गुणवत्ता प्रभावित हुई।

वहीं, दीपावली के बाद भी कई इलाकों में पटाखे जलाए जाने का सिलसिला जारी रहने से प्रदूषण की समस्या और बढ़ गई। पटाखों से निकलने वाला धुआं और सूक्ष्म कण वातावरण में घुलकर हवा को प्रदूषित करते हैं। वाहनों से निकलने वाले धुएं और धूल के साथ इन प्रदूषक तत्वों का असर बढ़ने से बुधवार को एक्यूआई में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ने से विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रदूषण बढ़ने के साथ ही लोगों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और गले में असहजता जैसी शिकायतों का सामना करना पड़ा। सुबह और शाम के समय धुंध का असर अधिक महसूस किया गया। ऐसे में चिकित्सकीय दृष्टि से संवेदनशील लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। अनावश्यक रूप से अधिक प्रदूषण वाले स्थानों पर जाने से बचना, बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करना और बच्चों व बुजुर्गों को लंबे समय तक खुले वातावरण में रहने से रोकना उपयोगी हो सकता है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहायक अभियंता विपुल कुमार का कहना है कि भैयादूज के अवसर पर वाहनों का संचालन सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक रहा। वाहनों की बढ़ी आवाजाही के कारण प्रदूषण के स्तर में वृद्धि हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बृहस्पतिवार से वाहनों का दबाव सामान्य होने पर प्रदूषण की स्थिति में भी सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केवल विभागीय प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि आमजन का सहयोग भी जरूरी है। लोगों को अनावश्यक रूप से वाहन निकालने और पटाखे जलाने से बचना चाहिए। प्रदूषण का स्तर दोबारा बढ़ने से साफ है कि त्योहारों के दौरान वाहनों की आवाजाही और पटाखों का धुआं हवा की गुणवत्ता को तेजी से प्रभावित कर सकता है। ऐसे में जरूरी है कि लोग पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और प्रदूषण कम करने में सहयोग करें, ताकि शहर की हवा स्वच्छ बनी रहे और लोगों को सांस लेने के लिए साफ वातावरण मिल सके।

बाजार गई पत्नी, पीछे से कमरे में लगी आग, सामान जला

वेलकम इंडिया संवाददाता

पिलखुवा। कोतवाली क्षेत्र के प्रहलाद नगर में बुधवार को एक किराये के मकान के कमरे में अचानक आग लग गई। घटना के समय मकान में रहने वाले परिवार की महिला अपने दो बच्चों के साथ बाजार गई हुई थी। घर से धुआं उठता देख मोहल्ले में अफरातफरी मच गई। पड़ोसियों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया और काफी मशक्कत के बाद उस पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कमरे में रखा घरेलू सामान जलकर राख हो चुका था। पीड़ित परिवार ने आग से करीब ढाई लाख रुपये के नुकसान का अनुमान जताया है। मूलरूप से धौलाना क्षेत्र के नारायणपुर बास्का निवासी अर्जुन पिलखुवा के प्रहलाद नगर में महेंद्र लाला के मकान की पहली मंजिल पर किराये पर रहते हैं। वह परतापुर के पास स्थित श्रीरामा पट्टा फैक्टरी में मशीन ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। बुधवार को उनकी पत्नी संगीता अपने दो बच्चों के साथ बाजार गई हुई थीं। इसी दौरान अज्ञात कारणों से कमरे में आग लग गई। कुछ ही देर में कमरे से धुआं निकलने लगा। धुआं देखकर आसपास के लोगों ने तत्काल अर्जुन को फोन कर घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलते ही अर्जुन फैक्टरी से घर पहुंचे, लेकिन तब तक आग पूरे कमरे में फैल चुकी थी। पड़ोसियों ने पानी, मिट्टी और अन्य उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। मोहल्ले के लोगों की तत्परता से आग पर काबू तो पा लिया गया, लेकिन कमरे में रखा घरेलू सामान काफी हद तक जलकर नष्ट हो गया। पीड़ित अर्जुन के अनुसार, आग में घरेलू सामान के अलावा चांदी के जेवर, कानों के कुंडल और 1100 रुपये की नकदी भी जल गई।

शिवराज सिंह चौहान की माताजी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी श्रद्धांजलि

काशी बाई के निधन पर जताया शोक, दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करने की कामना

वेलकम इंडिया संवाददाता





भोपाल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंचे और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास पर जाकर उनकी दिवंगत माताजी काशी बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने काशी बाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद उन्होंने शिवराज सिंह चौहान और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस मुलाकात की जानकारी अपने सामाजिक माध्यम खाते पर साझा करते हुए कहा कि भोपाल स्थित शिवराज सिंह चौहान के आवास पर पहुंचकर उनकी पूज्य माताजी स्वर्गीय काशी बाई को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों से भेंट कर संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य और शक्ति मिलने की कामना की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी मुख्यमंत्री धामी के आगमन पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुख की इस कठिन घड़ी में आत्मीयजनों का साथ और उनकी संवेदनाएं परिवार को संबल प्रदान करती हैं। उन्होंने अपनी माताजी की स्मृतियों को जीवनभर साथ रहने वाली अमूल्य धरोहर बताया। गौरतलब है कि शिवराज सिंह चौहान की माताजी काशी बाई का 30 अक्टूबर को भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उपचार के दौरान निधन हो गया था। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं। उनके निधन की खबर से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। उनका अंतिम संस्कार मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में स्थित उनके पैतृक गांव जैत में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया था। अंतिम संस्कार में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग शामिल हुए थे। काशी बाई की स्मृति में 12 नवंबर को भोपाल में तेरहवीं एवं गंगाजलि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर देश के कई वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित अन्य नेताओं के कार्यक्रम में पहुंचने की जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भोपाल पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिलना और श्रद्धांजलि अर्पित करना दुख की इस घड़ी में उनके प्रति संवेदना व्यक्त करने का अवसर रहा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भोपाल पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिलना राजनीतिक और सामाजिक जीवन में मानवीय संवेदनाओं के महत्व को दशार्ता है। किसी परिवार के लिए माता का निधन जीवन की सबसे कठिन और भावनात्मक क्षति में से एक होता है। ऐसे समय में परिचितों, मित्रों और शुभचिंतकों की उपस्थिति दुखी परिवार को संबल प्रदान करती है।

तेज आवाज में डीजे बजाने पर एक गिरफ्तार, बोलेरो वाहन सीज

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। धार्मिक आयोजनों के दौरान ध्वनि प्रदूषण और शांति व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने डीजे की आवाज को लेकर प्रतिस्पर्धा करते हुए अत्यधिक तेज आवाज में डीजे बजाने और स्थानीय लोगों से विवाद करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डीजे लगे बोलेरो वाहन को भी आवश्यक कागजात प्रस्तुत नहीं किए जाने पर सीज कर दिया। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस लगातार सतर्कता बरत रही है। इसी क्रम में बुधवार को थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही थी। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि ग्राम कैसैला से पहले बजरंगनगर में नियाज अहमद नाम का व्यक्ति अपनी महिंद्रा बोलेरो गाड़ी पर डीजे लगाकर अन्य डीजे से अधिक तेज आवाज में बजाने की प्रतिस्पर्धा कर रहा है। स्थानीय लोगों ने जब उसे तेज आवाज में डीजे बजाने से मना किया तो वह उनसे विवाद करने लगा। इससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न होने और शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक जावेद खान, कांस्टेबल मोहित वर्मा और कांस्टेबल आकाश कुमार यादव मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने देखा कि बोलेरो पर लगे डीजे से अत्यधिक तेज आवाज में संगीत बजाया जा रहा था और संचालक स्थानीय लोगों से विवाद कर रहा था।

होटल आशीर्वाद में वीआईपी रेस्टोरेंट का शुभारंभ, पूर्व विधायक जय चौबे ने किया उद्घाटन

मेंहदावल बाइपास पर शुरू हुआ आधुनिक रेस्टोरेंट, देशी-विदेशी व्यंजनों के साथ मेहमानों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

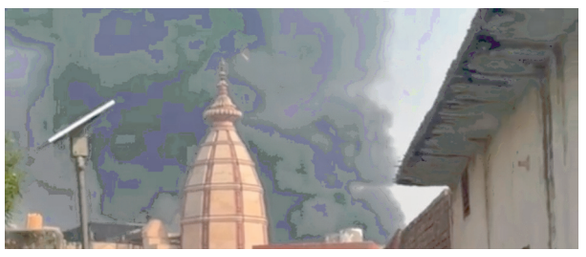
वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। जिले में खानपान के शौकीनों और शहरवासियों के लिए एक नया आकर्षण जुड़ गया है। मेंहदावल बाइपास के पास स्थित होटल आशीर्वाद में अत्याधुनिक वीआईपी रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। पूर्व विधायक जय चौबे ने फीता काटकर रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया। इसके शुरू होने से अब स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आने वाले मेहमानों को भी एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के देशी और विदेशी व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर मिलेगा। होटल के मालिक सतीश सिंह की मेजबानी में आयोजित उद्घाटन समारोह में राजनीति, शिक्षा, समाजसेवा और व्यापार जगत से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जय चौबे ने रेस्टोरेंट का शुभारंभ करते हुए कहा कि किसी भी प्रतिष्ठान की पहचान उसकी गुणवत्ता, स्वाद और ग्राहकों के प्रति व्यवहार से बनती है। उन्हें उम्मीद है कि होटल आशीर्वाद का यह नया रेस्टोरेंट अपने बेहतर खानपान, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और शानदार मेहमाननवाजी के माध्यम से लोगों के बीच विशेष पहचान बनाएगा। इस अवसर पर अपना दल (एस) व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल का भी आत्मीय स्वागत और अभिनंदन किया गया। समारोह में मौजूद अतिथियों ने होटल प्रबंधन को नए प्रतिष्ठान की शुरूआत पर शुभकामनाएं दीं। होटल आशीर्वाद के इस वीआईपी रेस्टोरेंट को आधुनिक साज-सज्जा, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और सुकून भरे वातावरण के साथ तैयार किया गया है। यहां आने वाले मेहमानों को बेहतर सेवा के साथ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। रेस्टोरेंट को इस तरह विकसित किया गया है कि परिवार, मित्रों और विशेष अवसरों पर आने वाले लोगों को आरामदायक माहौल मिल सके। उद्घाटन समारोह के दौरान शहर की कई जानी-मानी हस्तियों की मौजूदगी से माहौल उत्सवमय बना रहा। होटल प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। नए रेस्टोरेंट की शुरूआत को जिले में खानपान और आतिथ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक नई पहल के रूप में देखा जा रहा है।

बांके बिहारी मंदिर के पास खंडहर में लगी भीषण आग

पुलिस और स्थानीय लोगों की तत्परता से टला बड़ा हादसा



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। बांके बिहारी मंदिर क्षेत्र अंतर्गत अकोला वाली धर्मशाला के समीप स्थित एक खंडहर नुमा मकान में अचानक अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने वहां रखे फूल बंगले के थमाकोल और लकड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की उठती लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के निवासियों और श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी व हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही बांके बिहारी चौकी इंचार्ज शिवकुमार शर्मा तुरंत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। चौकी इंचार्ज ने बिना समय गंवाए स्थानीय निवासियों के सहयोग से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद समय रहते आग पर पूरी तरह से पा लिया गया। समय पर मिली सूचना और पुलिस प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के चलते एक बड़ा और गंभीर हादसा होने से टल गया, जिससे क्षेत्रीय लोगों ने राहत की सांस ली।

देश व प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है: अभिषेक दत्त

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव ने जिलाध्यक्षों के संग की बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वांचल प्रभारी अभिषेक दत्त ने होटल सोनी में पार्टी के नौ जिलाध्यक्षों और दो शहर अध्यक्षों के साथ बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, चुनावी रणनीति तैयार करने और विभिन्न जिलों में पार्टी की स्थिति का आकलन करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अभिषेक दत्त ने कहा कि देश और प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और वोट चोरी के बाद अब लोगों के अधिकारों की चोरी की जा रही है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पूरी मजबूती के साथ संगठन को मजबूत करने में जुट जाएं और आम जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को उठाएं। उन्होंने जिलाध्यक्षों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर गंभीर चर्चा की। साथ ही नौ जिलों में कांग्रेस की संगठनात्मक स्थिति, संभावित मजबूत प्रत्याशियों और चुनावी तैयारियों को लेकर अलग-अलग जिलाध्यक्षों से उनकी राय जानी। बैठक में इस बात पर भी विचार-विमर्श किया गया कि प्रत्येक क्षेत्र में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए किन मुद्दों और रणनीतियों पर काम किया जाना चाहिए। अभिषेक दत्त ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता बदलाव के मूड में है और आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी समन्वय बनाकर काम करने, संगठन की गतिविधियों को गांव और बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा जनता के बीच पार्टी की नीतियों और विचारों को प्रभावी ढंग से रखने की अपील की। बैठक में संतकबीरनगर के जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद पांडेय, सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष काजी सोहेल अहमद, गोरखपुर के जिलाध्यक्ष राजेश त्रिपाठी, देवरिया के जिलाध्यक्ष रोशनमल, शहर अध्यक्ष मिर्जा खुर्शीद बेग, गोरखपुर नगर अध्यक्ष महादेव रवि निषाद और बस्ती के जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी सहित नौ जिलाध्यक्ष और दो शहर अध्यक्ष मौजूद रहे।

दामाद को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, सास के फाड़ दिए कपड़े

मथुरा। शेरगढ़ रोड स्थित गोपाल बाग निवासी भागीरथ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी सास कृष्णा ने मझोई निवासी संजय को चार लाख रुपये उधार दिए थे। संजय कई वर्षों से रकम वापस नहीं कर रहा था। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। भागीरथ का आरोप है कि पांच नवंबर की शाम करीब 6:15 बजे वह अपनी सास कृष्णा के साथ दुकान पर जा रहा था। रास्ते में पहले से घात लगाकर बैठे संजय, टिंकू, महेश और राजेश निवासी गांव मझोई तथा दो-तीन अज्ञात लोगों ने उन्हें घेर लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बचने के लिए दोनों एक मकान में घुस गए, लेकिन आरोपी पीछा करते हुए वहां भी पहुंच गए। उन्होंने भागीरथ के साथ मारपीट की और कृष्णा के बाल पकड़कर उन्हें जमीन पर पटक दिया। आरोप है कि इस दौरान उनके कपड़े भी फाड़ दिए गए।

यम द्वितीया पर यमुना घाटों पर उमड़ा भाई-बहनों का सैलाब, आस्था की डुबकी लगाकर मनाया पर्व

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक भाई दूज (यम द्वितीया) का पर्व बुधवार को धर्मनगरी मथुरा में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बंगाली घाट और विश्राम घाट सहित यमुना के प्रमुख घाटों पर सुबह से ही भाई-बहनों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने मां यमुना में एक साथ स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। यमुना स्नान के बाद बहनों ने भाइयों के माथे पर रोली और अक्षत का तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना की। घाटों पर भाई-बहनों के प्रेम और आस्था का अनूठा नजारा देखने को मिला। सुबह से लेकर दोपहर तक घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। बंगाली घाट, विश्राम घाट सहित प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के इंतजाम किए गए। पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग किया। प्रशासन की सतर्कता के चलते पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भगवान यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने मथुरा पहुंचे थे। यमुना जी ने उनका स्वागत-सत्कार कर तिलक लगाया और उनके मंगलमय जीवन की कामना की। तभी से इस दिन को यम द्वितीया और भाई दूज के रूप में मनाने की परंपरा चली आ रही है। श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में इस पर्व का विशेष धार्मिक महत्व है।

पर्व की मान्यताएं

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यम द्वितीया के दिन यमुना नदी में स्नान करने का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन यमराज और यमुना जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने की परंपरा है। मान्यता है कि यमुना स्नान और यमराज के पूजन से व्यक्ति को पुण्य फल की प्राप्ति होती है तथा जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक कथा के अनुसार, यमुना जी ने अपने भाई यमराज को इस दिन अपने घर आमंत्रित कर आदर-सत्कार किया था। इससे प्रसन्न होकर यमराज ने वरदान दिया कि इस दिन जो भाई अपनी बहन के घर जाकर उसके हाथों से भोजन करेगा और यमुना में स्नान करेगा, उसे विशेष पुण्य प्राप्त होगा।

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, मरीजों से लिया स्वास्थ्य सुविधाओं का फीडबैक

भर्ती मरीजों से जाना हाल, स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया फीडबैक; खराब एंबुलेंस बदलने और सभी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

परवेज अख्तर/वेलकम इंडिया







संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने जनपद आगमन के दौरान संयुक्त जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम पूछा और चिकित्सकों तथा मेडिकल स्टाफ द्वारा दी जा रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन और गरीबों को सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क एवं गुणवत्तापरक इलाज उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर खजनी विधायक श्रीराम चौहान, सदस्य विधान परिषद संतोष सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष नीतू सिंह, खलीलाबाद विधायक अंकुरराज तिवारी, मेंहदावल विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी, धनघटा विधायक गणेश चंद्र चौहान सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा जिलाधिकारी अनुज मलिक, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्य प्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह और मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से अस्पताल में चिकित्सकों की उपलब्धता, मेडिकल उपकरणों, एंबुलेंस की संख्या, दवाओं की उपलब्धता तथा आपातकालीन सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने इमरजेंसी कक्ष, अस्थि रोग वार्ड, मेडिकल वार्ड सहित अस्पताल के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। वार्डों में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उपचार, निःशुल्क दवाओं, भोजन और स्वास्थ्यकर्मियों के व्यवहार के संबंध में जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल परिसर, वार्डों, डॉक्टर कक्ष, दवा वितरण केंद्र, आपातकालीन सेवाओं और ऑक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में भर्ती मरीजों की उचित देखभाल की जाए और दूर-दराज से आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ मरीजों तथा उनके परिजनों के साथ संवेदनशीलता और सहयोगपूर्ण व्यवहार करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली सभी आवश्यक दवाएं अस्पताल में ही मिलनी चाहिए। किसी भी मरीज को बाहर से दवा खरीदने के लिए न लिखा जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और कर्मचारी निर्धारित समय पर अस्पताल में उपस्थित रहें। ड्यूटी में लापरवाही अथवा अनुपस्थिति मिलने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

निरीक्षण के बाद उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय के सभागार में जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला चिकित्सालय सहित सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली गई। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से आंकड़ों के आधार पर चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाओं, टीकों और अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं के साथ एंटीवेनम और सभी प्रकार के टीकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी के अनुसार उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण कराया जाए। यदि कोई कर्मचारी ड्यूटी से अनुपस्थित मिलता है या कार्य में लापरवाही करता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में गरीब और जरूरतमंद लोगों को बेहतर इलाज मिलना चाहिए।

कजरी निरंजनपुर में ग्रामीणों की समस्याओं पर एक्शन में दिखे जितिन प्रसाद

केन्द्रीय मंत्री/सांसद जितिन प्रसाद बिजली व्यवस्था सुधारने और आगामी सीजन में धान क्रय केंद्र खुलवाने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता





पूरनपुर/पीलीभीत। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद बुधवार को सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के कजरी निरंजनपुर गांव पहुंचे। यहां आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में उन्होंने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान गांव में बदहाल बिजली व्यवस्था, सोलर लाइट और धान खरीद केंद्र स्थापित कराने जैसी मांगें प्रमुखता से उठीं। बिजली विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर ग्रामीणों की शिकायत पर सांसद ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाया। हालांकि, निर्धारित समय पर जेई और एसडीओ के नहीं पहुंचने पर उन्होंने नाराजगी जताई। सांसद ने मौके पर पहुंचे सरकारी लाइनमैन को बिजली व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश देते हुए लापरवाही पर चेतावनी भी दी।जनसंवाद के दौरान सांसद जितिन प्रसाद ने कहा कि पीलीभीत की जनता से उनका पुराना और आत्मीय रिश्ता रहा है। क्षेत्र की जनता ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुनकर दिल्ली भेजा है। इसके लिए वह सभी के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता है। पीलीभीत को एक मॉडल लोकसभा क्षेत्र के रूप में विकसित करना उनका लक्ष्य है। जब तक इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर लेते, तब तक वह खुद को सफल नहीं मानेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।सांसद ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार युवाओं के लिए रोजगार और नौकरी के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विकास को गति देने के साथ आम लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी स्थानीय जरूरतों और समस्याओं को गंभीरता से सुना।कार्यक्रम में कजरी निरंजनपुर निवासी अमृत पाल सिंह ने गांव में सोलर लाइट लगवाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि गांव में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था होने से ग्रामीणों को रात के समय आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके अलावा ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति की समस्या को प्रमुखता से उठाया। उनका कहना था कि गांव में कुरेर्या से बिजली की आपूर्ति होती है। दूरी अधिक होने के कारण बिजली के खंभों के बीच काफी अंतर है। ऐसे में बिजली की लाइन आए दिन टूट जाती है और गांव की आपूर्ति बाधित हो जाती है। ग्रामीणों के मुताबिक, समस्या बार-बार सामने आने के बावजूद इसका स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के कर्मचारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि शिकायत करने के लिए फोन करने पर कर्मचारी फोन नहीं उठाते। कई बार समस्या बताने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होती। इससे ग्रामीणों को घंटों बिजली कटौती का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की शिकायत सुनने के बाद सांसद ने तत्काल बिजली विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाने के निर्देश दिए, ताकि समस्या की वास्तविक स्थिति का पता लगाकर समाधान कराया जा सके।हालांकि, सांसद के बुलाने पर मौके पर विभाग के सरकारी लाइनमैन असलम ही पहुंचे। संबंधित जेई और एसडीओ के कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुंचने पर सांसद ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए लाइनमैन को तत्काल बिजली व्यवस्था ठीक कराने और ग्रामीणों की समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनप्रतिनिधियों के सामने शिकायत आने के बाद भी यदि विभागीय अधिकारी जिम्मेदारी नहीं निभाते हैं तो यह गंभीर विषय है।

पूर्वांचल समाज की तीन दशक पुरानी मांग पर लगी मुहर

ट्रांस शारदा क्षेत्र में छठ पूजा के लिए जिला पंचायत ने बनवाए स्थाई घाट

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। ट्रांस शारदा क्षेत्र में छठ पूजा करने वाले पूर्वांचल समाज के लोगों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी होने लगी है। जनपद पीलीभीत में पहली बार जिला पंचायत के माध्यम से स्थाई छठ पूजा घाटों का निर्माण कराया गया है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनजीत सिंह की पहल और वर्तमान जिला पंचायत सदस्य वार्ड संख्या एक की सदस्य रूपिंदर कौर के प्रयासों से क्षेत्र की पांच ग्राम पंचायतों में छठ घाट निर्माण की योजना को स्वीकृति मिली। इनमें चार स्थानों पर निर्माण कार्य कराया गया है, जबकि पांचवें घाट का काम अंतिम चरण में बताया जा रहा है।पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनजीत सिंह के मुताबिक, उन्होंने अपने कार्यकाल में जिला पंचायत पीलीभीत के समक्ष प्रस्ताव रखकर ट्रांस शारदा क्षेत्र की पांच ग्राम पंचायतों में स्थाई छठ घाट बनवाने की पहल की थी।इसके बाद ग्राम पंचायत सिद्धनगर, शास्त्रीनगर, नेहरूनगर भरतपुर और विजय नगर के गौतम नगर में घाटों का निर्माण कराया गया है। वहीं ग्राम पंचायत राणा प्रताप नगर में भी निर्माण कार्य के लिए टेंडर हो चुका है। मनजीत सिंह ने बताया कि ठेकेदार की लापरवाही के चलते काम पूरा नहीं हो सका है। इस संबंध में जिला पंचायत को पत्र लिखकर कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की गई है। उन्होंने दावा किया कि आगामी 15 दिनों में यहां भी घाट तैयार करा दिया जाएगा।दरअसल, ट्रांस शारदा क्षेत्र में पिछले तीन से चार दशकों के दौरान पूर्वांचल समाज के हजारों परिवार आकर बसे हैं। यहां छठ पूजा बड़े उत्साह और पारंपरिक आस्था के साथ मनाई जाती है। लेकिन स्थाई घाटों की व्यवस्था नहीं होने के कारण व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं को हर साल तालाबों व नदियों के किनारे अस्थाई व्यवस्था करनी पड़ती थी। इससे साफ-सफाई, सुरक्षा और पूजा की तैयारियों में काफी दिक्कतें आती थीं। अब पक्के और सीढ़ीदार घाट बनने से श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिलेगी।छठ महापर्व सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित चार दिवसीय लोक आस्था का पर्व है। इसमें व्रती महिलाएं डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हैं। इस पर्व में स्वच्छता और शुद्धता का विशेष महत्व है।

मनजीत सिंह ने कहा कि छठ केवल त्योहार नहीं, बल्कि माताओं और बहनों की गहरी आस्था का प्रतीक है। वर्षों से उठ रही मांग को पूरा कराने के लिए उन्होंने अपनी पत्नी और वर्तमान जिला पंचायत सदस्य रूपिंदर कौर के साथ प्रयास किया। स्थाई घाटों की इस पहल से क्षेत्र के पूर्वांचल समाज में खुशी है। लोगों ने जिला पंचायत और जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार जताया है।

भैया दूज की मिठास पर मिलावट का साया, शुद्धता पर उठे सवाल

बाजारों में खूब बिकी मिठाइयां, खाद्य विभाग की जांच को लेकर लोगों में नाराजगी

वेलकम इंडिया संवाददाता



पीलीभीत। भैया दूज के पर्व पर बाजारों में मिठाइयों की जमकर खरीदारी हुई। बहनों ने भाइयों का तिलक कर मुंह मीठा कराया, लेकिन त्योहार की इस रौनक के बीच मिठाइयों की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। पूरनपुर, कलीनगर और आसपास के ग्रामीण बाजारों में मिलावटी मिठाइयों की बिक्री की आशंका के चलते लोगों में चिंता देखी गई। हालांकि, इन आशंकाओं की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।जोगराजपुर, कुरेर्या खुर्द कलां समेत क्षेत्र के कई बाजारों में भैया दूज के चलते मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। इस दौरान स्थायी दुकानों के साथ अस्थायी ठेलों पर भी मिठाइयों की बिक्री होती दिखाई दी। कई स्थानों पर खुले में रखी मिठाइयों और साफ-सफाई की पर्याप्त व्यवस्था न होने को लेकर ग्राहकों ने नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि त्योहारों के दौरान अधिक बिक्री के बीच खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि कुछ स्थानों पर बाहर से लाई गई रंग-बिरंगी मिठाइयों में कृत्रिम रंगों और घटिया सामग्री का इस्तेमाल हो सकता है। खोया और दूध से तैयार होने वाली मिठाइयों की शुद्धता को लेकर भी ग्राहकों के मन में सवाल हैं। बिना उचित लेबल और निर्माण संबंधी जानकारी के बिकने वाले मिष्ठान की गुणवत्ता की जांच जरूरी मानी जा रही है।

त्योहार के मौके पर बाजारों में मिठाइयों की बिक्री बढ़ने के बावजूद खाद्य विभाग की जांच और सैंपलिंग को लेकर लोगों ने सवाल उठाए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते दुकानों से नमूने लेकर जांच कराई जाए तो मिलावट की आशंका पर अंकुश लगाया जा सकता है।लोगों ने जिला प्रशासन से तहसील क्षेत्र में सहित ग्रामीण बाजारों में खाद्य सुरक्षा टीम भेजकर मिठाइयों की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। साथ ही खुले में खाद्य पदार्थ बेचने वालों को स्वच्छता के नियमों का पालन कराने की भी अपील की है। त्योहार की मिठास लोगों की सेहत के लिए परेशानी न बने, इसके लिए विभागीय निगरानी और नियमित जांच जरूरी है।

भाइयों के माथे पर तिलक, बहनों की आंखों में खुशियों की चमक

आरती उतारकर मांगी दीर्घायु की कामना, मिठाई की दुकानों पर रही रौनक

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक भैया दूज का पर्व बुधवार को पारंपरिक रीति-रिवाज और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर भाई-बहनों में खासा उत्साह देखने को मिला। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर वंदन किया और आरती उतारकर उनकी सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। इसके बाद भाइयों को मिठाई खिलाकर पर्व की खुशियां साझा कीं। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति स्नेह और सम्मान प्रकट किया।बुधवार की सुबह से ही पर्व की रौनक दिखाई देने लगी। कई बहनें अपने भाइयों के घर पहुंचीं तो कई भाई अपनी बहनों के यहां पहुंचे।घुंघचाई, दिलावरपुर, कसगंजा, नरायनपुर, माधोटांडा, कलीनगर सहित पूरे क्षेत्र में भैया दूज की धूम रही। घरों में बहनों ने परंपरागत तरीके से पूजा-अर्चना कर भाइयों को तिलक लगाया। इसके बाद नारियल और मिठाई भेंट कर उनकी लंबी उम्र की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर पर्व की खुशियों को दोगुना कर दिया।पर्व के चलते बाजारों में भी रौनक बनी रही। मिठाई की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ जुटने लगी। मांग बढ़ने के चलते दुकानदारों ने अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया था। भैया दूज की पूर्व संध्या पर भी लोगों ने जमकर मिठाइयों की खरीदारी की थी। देर शाम तक बाजारों में चहल-पहल बनी रही और सड़कों पर भाई-बहनों का एक-दूसरे के घर आने-जाने का सिलसिला जारी रहा। भैया दूज के अवसर पर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस भी सक्रिय रही। पुलिसकर्मियों ने विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पूरे क्षेत्र में पर्व पारंपरिक उल्लास और भाई-बहन के प्रेम के साथ संपन्न हुआ।

यातायात नियमों का पाठ पढ़ाकर सुरक्षित सफर का दिया संदेश

आगरा में यातायात माह के तहत राजेश्वर मंदिर 100 फुटा मार्ग पर जागरूकता अभियान, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को बांटे पम्पलेट





वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आगरा पुलिस द्वारा नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाते हुए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार, 11 नवंबर 2026 को राजेश्वर मंदिर स्थित 100 फुटा मार्ग पर यातायात पुलिस ने ऑटो और ई-रिक्शा चालकों सहित आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। पुलिस उपायुक्त यातायात ज्ञानेन्द्र नाथ प्रसाद के निर्देशन में यातायात निरीक्षक (टीआई) ने अभियान के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी। चालकों को यातायात संकेतों का पालन करने, निर्धारित नियमों के अनुसार वाहन चलाने और सड़क पर जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों से संबंधित पम्पलेट भी वितरित किए गए, जिनके माध्यम से लोगों को दुर्घटनाओं से बचाव और सुरक्षित सफर के प्रति जागरूक किया गया। यातायात पुलिस ने ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को समझाया कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए वाहन चलाते समय यातायात संकेतों और नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। अभियान का उद्देश्य केवल नियमों का पालन कराना ही नहीं, बल्कि आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की कि स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर शहर की यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाया जा सके।

गुरुद्वारा कट पर यातायात पुलिस का जागरूकता अभियान, ऑटो-ई-रिक्शा चालकों को पढ़ाया गया ट्रेफिक नियमों का पाठ

यातायात माह के तहत पम्पलेट बांटकर दुर्घटनाओं से बचाव और सुरक्षित सफर का दिया संदेश

वेलकम इंडिया/मयूर खान





आगरा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के उद्देश्य से आगरा पुलिस द्वारा यातायात माह नवंबर के तहत लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार, 11 नवंबर 2026 को गुरुद्वारा कट, एनएच-19 पर यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों के साथ आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। पुलिस उपायुक्त यातायात ज्ञानेन्द्र नाथ प्रसाद के निर्देशन में यातायात निरीक्षक (टीआई) ने वाहन चालकों को यातायात नियमों और सड़क संकेतों की जानकारी दी। अभियान के दौरान चालकों एवं राहगीरों को यातायात नियमों से संबंधित पम्पलेट वितरित किए गए। साथ ही उन्हें सड़क पर वाहन चलाते समय सावधानी बरतने, यातायात संकेतों का पालन करने और अपनी सुरक्षा के साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया गया। यातायात पुलिस ने ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों को बताया कि सड़क पर अनुशासन और नियमों का पालन दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। थोड़ी सी लापरवाही न केवल चालक, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी खतरा बन सकती है। पुलिस का यह अभियान यातायात माह के दौरान लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में चलाया जा रहा है। यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की कि यातायात नियमों को अपनी आदत बनाएं और सुरक्षित सफर के लिए दूसरों को भी जागरूक करें।

बर्कलीगंज में स्वास्थ्य शिविर लगाकर 25 ग्रामीणों की जांच, एक मरीज मिला डेंगू पॉजिटिव

आशा कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर डेंगू-मलेरिया से बचाव के लिए किया जागरूक, शाहजहांपुर का निवासी निकला पॉजिटिव मरीज

वेलकम इंडिया संवाददाता



पीलीभीत। जिले में मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम और ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को ग्राम बर्कलीगंज में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भुवन चन्द्र पंत के निर्देशन में आयोजित शिविर में चिकित्सा टीम ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और जरूरत के अनुसार निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं।शिविर में कुल 25 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें पांच मरीजों की डेंगू और मलेरिया संबंधी जांच कराई गई। जांच के दौरान एक मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आई, जबकि चार मरीज निगेटिव पाए गए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पॉजिटिव मिला मरीज जनपद शाहजहांपुर का निवासी है। ऐसे में उसे पीलीभीत जिले का स्थानीय मरीज नहीं माना गया है।स्वास्थ्य शिविर के साथ ही गांव में जागरूकता अभियान भी चलाया गया। आशा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर ग्रामीणों को डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों के लक्षण, बचाव और रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। ग्रामीणों को बताया गया कि घरों और आसपास पानी जमा होने से मच्छरों का प्रजनन बढ़ता है। इसलिए कूलर, गमलों, टायरों और अन्य स्थानों पर जमा पानी को नियमित रूप से हटाना जरूरी है।स्वास्थ्य कर्मियों ने मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करने, पूरे आस्तीन के कपड़े पहनने तथा घरों के दरवाजों और खिड़कियों पर जाली लगवाने की सलाह दी। अभियान के तहत सोर्स रिडक्शन यानी मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने पर भी जोर दिया गया।सीएमओ ने बताया कि गांव में पूर्व में डेंगू पॉजिटिव पाए गए मरीजों का फॉलोअप भी किया गया। सभी मरीज स्वस्थ पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक फिलहाल गांव की स्थिति सामान्य है। विभाग की ओर से ग्रामीणों को साफ-सफाई बनाए रखने और बुखार आने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराने की अपील की गई है।

काशी में धूमधाम से मना ऐतिहासिक गोवर्धन पूजनोत्सव, उमड़ा जनसैलाब

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने विभिन्न क्षेत्रों की 11 विभूतियों को किया सम्मानित

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। गोवर्धन पूजा समिति की ओर से अध्यक्ष विनोद यादव गप्पू के नेतृत्व में इस वर्ष भी ऐतिहासिक गोवर्धन पूजनोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी आयोजन में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और भारतीय संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरूआत गोवर्धन धाम में सुबह आरती के बाद विधि-विधान से हवन-पूजन के साथ हुई। इस दौरान भालू यादव और भोला यादव सहित श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। सुबह से ही गोवर्धन धाम में भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था। इसके बाद दोपहर 12 बजे चेतगंज हथुआ मार्केट से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र यादव ने किया। विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई यह शोभायात्रा लहुराबीर, कबीरचौरा, मैदागिन, मछोदरी और प्रह्लादघाट होते हुए नमो घाट पहुंची। रास्ते में जगह-जगह व्यापारिक और सामाजिक संगठनों की ओर से शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। शोभायात्रा के मार्ग पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर भगवान के स्वरूपों और झांकियों का अभिनंदन किया। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण, भगवान शिव-पार्वती और भगवान श्रीराम से जुड़ी आकर्षक आध्यात्मिक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। काशी की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को दशार्ती इन



झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। आगे-आगे काशीवासियों के साथ ग्वाल-बालों की टोली चल रही थी। बनारस की प्रसिद्ध लट्ठबाजी और पट्टा बनेठी का प्रदर्शन भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। केदारनाथ मंदिर की भव्य झांकी ने भी श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। शोभायात्रा के दोनों ओर और मकानों की छतों पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा मार्ग भक्तिमय बना रहा। शाम करीब पांच बजे शोभायात्रा गोवर्धन धाम



स्थित नमो घाट पहुंची। नमो घाट पर बने खुले रंगमंच पर भव्य आध्यात्मिक सभा का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव और पूर्व सांसद डीपी यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। साहित्य एवं शोध के क्षेत्र में प्रोफेसर आशा यादव, न्यायिक क्षेत्र में महेंद्र सिंह यादव, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. कुमार भास्कर, खेल के क्षेत्र में शिखा यादव, योग शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. संमित भूषण, विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अमित यादव, विधि के क्षेत्र में देवी प्रसाद यादव तथा समाजसेवा के क्षेत्र में रविंद्र यादव को गोवर्धन श्री सम्मान प्रदान किया गया। वहीं स्वर्गीय अलखनाथ के नाम पर सामाजिक प्रतीक सम्मान सियाराम यादव, बीएचयू को मुख्य अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा की घोषणा ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष गोपाल जी यादव ने की, जिसके बाद मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। समिति अध्यक्ष विनोद यादव गप्पू ने स्वागत भाषण के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया और आयोजन में शामिल होने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजनोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने और अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। मंचीय कार्यक्रम का संचालन महामंत्री जय प्रकाश यादव ने किया। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन की परंपरा और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. शिवनाथ यादव, ई. अशोक यादव, कैलाश यादव, अशोक यादव, सीताराम यादव, राजेश अहीर, दिनेश यादव, अशोक यादव धुली, विजय यादव, लाल बच्चन, पारस यादव पप्पू, करण सिंह यादव दिल्ली, इंजीनियर अनिल यादव और मुकेश प्रधान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में धार्मिक उत्साह, सामाजिक सहभागिता और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण बना रहा।

गांव में विवाद के बाद दोनों पक्षों के आठ आरोपी गिरफ्तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़। थाना क्षेत्र के गांव पुठरी कलां में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के कुल आठ नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के चार-चार आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों में वैधानिक कार्रवाई की। इसके साथ ही शांति भंग होने की आशंका को देखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धाराओं 170, 126 और 135 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई भी की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हितेश, दीनू, मोहित, सीटू, प्रदीप, लव, राहुल राघव और सोनू कुमार के रूप में हुई है। गांव में दोनों पक्षों के बीच विवाद के बाद स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 10 नवंबर को यह कार्रवाई की। गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई जारी

जिला कारागार में धूमधाम से मनाया गया भैया दूज, 1217 लोगों ने की अपनों से मुलाकात

बहनों ने बंदी भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उतारी आरती, मिठाई खिलाकर की लंबी उम्र की कामना; जेल प्रशासन ने किए विशेष इंतजाम





वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिला कारागार बुलंदशहर में बुधवार को भैया दूज का पर्व परंपरागत रीति-रिवाज और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जेल में निरुद्ध भाइयों से मिलने पहुंचीं बहनों ने उनके माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी और मिठाई खिलाकर उनकी लंबी उम्र एवं सुख-समृद्धि की कामना की। जेल की सलाखों के बीच भाई-बहनों के इस स्नेहपूर्ण मिलन का भावुक दृश्य देखने को मिला। भैया दूज के पर्व को लेकर जेल प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। जेल अधीक्षक कोमल मंगलानी ने बताया कि कारागार के मुख्य द्वार के बाहर मुलाकातियों के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई। इसके साथ ही पेयजल, स्वल्पाहार और लड्डू आदि की व्यवस्था भी कराई गई। मुलाकात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए जेल कर्मचारियों के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई तथा सहायता की ओर से की गई व्यवस्थाओं के के लिए हेल्प डेस्क भी संचालित की गई। उन्होंने बताया कि कारागार के अंदर स्थित बहुउद्देशीय हॉल में भी मुलाकातियों के बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई थी। इस दौरान कारागार में निरुद्ध 19 भाई-बहनों की अलग से मुलाकात कराई गई। भैया दूज के अवसर पर कुल 1217 मुलाकाती अपने निरुद्ध परिजनों से मिलने पहुंचे। इनमें 917 महिलाएं, चार पुरुष और 296 बच्चे शामिल रहे। जेल प्रशासन चलते सभी मुलाकातियों को अपने परिजनों के साथ पर्व मनाने का अवसर मिला। इस प्रकार जिला कारागार में भाई-बहन के प्रेम और पारिवारिक रिश्तों की मिठास के बीच भैया दूज का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जेल प्रशासन की विशेष व्यवस्थाओं की भी सराहना की गई। इस आयोजन के माध्यम से जेल प्रशासन ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि त्योहारों की खुशियां और पारिवारिक रिश्तों की अहमियत हर परिस्थिति में बनी रहती है। जेल की चारदीवारी के भीतर रह रहे बंदियों के लिए बहनों से मुलाकात भावनात्मक संबल का अवसर बनी। कई बहनें अपने भाइयों से मिलकर भावुक हो गईं, वहीं भाइयों ने भी बहनों का हालचाल जाना और उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। जेल प्रशासन ने मुलाकात के दौरान अनुशासन, सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा। इस पहल से बंदियों को अपने परिवार से जुड़ाव महसूस करने और समाज की मुख्यधारा में लौटने की प्रेरणा मिली।

दो साल तक जमा करती रही लोन की किस्त, बैंक में एक रुपया भी नहीं पहुंचा



कांधला (वेलकम इंडिया)। कस्बे के मोहल्ला मौलानान निवासी एक महिला ने प्राइवेट बैंक की महिला एजेंट पर लोन की किस्तों के नाम पर 55 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने आरोपी महिला एजेंट और उसके परिजनों पर मारपीट करने का भी आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।पीड़िता मुस्कान के अनुसार, उसने बड़ौत स्थित एक प्राइवेट बैंक से 55 हजार रुपये का लोन लिया था। आरोप है कि बैंक की महिला एजेंट के माध्यम से वह हर महीने 2660 रुपये की किस्त लगातार दो वर्षों तक जमा करती रही। महिला का आरोप है कि एजेंट ने उससे किस्तों की रकम तो ले ली, लेकिन बैंक में एक रुपया भी जमा नहीं किया।मामले की जानकारी होने पर महिला एजेंट के घर पहुंचकर अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि इस दौरान महिला एजेंट ने अपने परिवार के लोगों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट कर दी। पीड़िता ने थाने पहुंचकर तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में जांच कार्यवाही का आश्वासन देते हुए छानबीन शुरू कर दी है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चेकिंग के दौरान दो शराब तस्कर गिरफ्तार, 40 पौव्वे देसी शराब बरामद

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। एसपी के आदेश पर जनपद में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 40 पौव्वे देसी शराब बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि बुधवार को ऐलम चौकी प्रभारी सचिन कुमार त्यागी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस टीम नाला नहर पटरी पर चेकिंग कर रही थी। तभी पुलिस को दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस टीम ने दोनों को रोककर



तलाशी ली तो उनके कब्जे से 40 पौव्वे देसी शराब बरामद हुई।पुलिस ने मौके से गांव नाला निवासी अशोक और कोकिल को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को थाने लाकर उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए दोनों का चालान कर दिया गया।

आगरा में युवक की हत्या के प्रयास का खुलासा, 24 घंटे में तीन शातिर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। कमिश्नरेट के थाना एत्माद्दौला पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। युवक के साथ बेरहमी से मारपीट कर हत्या का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर तीन मुख्य आरोपियों को धर दबोचा है। आरोपियों को नगला छदामी रेलवे लाइन के पास खाली मैदान से गिरफ्तार किया गया है। थाना एत्माद्दौला में 10 नवंबर को एक महिला ने तहरीर दी थी कि 15 से 16 लड़कों ने उसके बेटे को घेर कर बुरी तरह पीटा। जब वह अपने बेटे को बचाने पहुंची तो हमलावरों ने उसके साथ भी मारपीट की। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा अपराध संख्या 363/2026 पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर इस मुकदमे में हत्या के प्रयास की धारा 109(1) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र कुमार दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी नगला छदामी की ओर रेलवे लाइन के पास मौजूद हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बिल्ला उर्फ बबलू पुत्र मनोज यादव,



रंजीत पुत्र महेश चन्द्र और रवि कश्यप पुत्र भोलाराम कश्यप के रूप में हुई है, जो सभी प्रकाश नगर क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस रिकॉर्ड में आरोपी बिल्ला उर्फ बबलू एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ एत्माद्दौला थाने में ही लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत आधा दर्जन मुकदमे पहले से दर्ज हैं। वहीं दूसरे आरोपी रंजीत पर भी लूट और हत्या के प्रयास के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि इस वारदात में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल का दीपावली मिलन 'परंपरा' बना यादगार, संस्कृति और एकता की दिखी झलक

गणेश वंदना, भजन, कव्वाली, रैंप वॉक और लकी ड्रॉ ने बांधा समां, रंग-बिरंगी रोशनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच परिवारों ने उत्साह से मनाया दीपोत्सव

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। दीपावली के पावन पर्व की खुशियों को साझा करने और भारतीय संस्कृति एवं पारिवारिक परंपराओं को उत्सव के माध्यम से जीवंत करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल की ओर से भव्य पारिवारिक दीपावली मिलन समारोह ह्यपरंपरा : ए सेलिब्रेशन ऑफ ट्रेडिशनह्न का आयोजन किया गया। महमूरगंज स्थित शगुन लॉन में आयोजित इस समारोह में उमंग, उल्लास, पारिवारिक आत्मीयता और सांस्कृतिक रंगों का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित सदस्यों और उनके परिवारजनों के लिए इस शाम को यादगार बना दिया। रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक सजावट और उत्सव के खुशनुमा माहौल से पूरा परिसर जगमगा उठा। क्लब के सदस्यों ने अपने परिवारों के साथ समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं। समारोह में भारतीय संस्कृति, पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक उत्सव की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रोशनी से सजे परिसर में प्रवेश करते ही दीपावली के उल्लास का अनुभव हो रहा था। सदस्यों और उनके परिवारों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं, जिससे सभी ने पूरे उत्साह के साथ आयोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में पहुंचने वाले अतिथियों और क्लब सदस्यों का स्वागत क्लब अध्यक्ष डॉ. रितु गर्ग, सचिव रोटेरियन ललित गुप्ता तथा कोषाध्यक्ष रोटेरियन रवि सिंह ने किया। उन्होंने सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए समारोह में उनकी सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश की वंदना और आरती के साथ हुआ। इसके बाद



सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ। भक्ति गीतों और मधुर भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया, वहीं कव्वाली की प्रस्तुति ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। डांस ग्रुप की आकर्षक प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों के बीच उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में पारंपरिक और आधुनिक रंगों का सुंदर मेल देखने को मिला, जिसने हर आयु वर्ग के लोगों को आकर्षित किया। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण आकर्षक रैंप वॉक रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपनी प्रस्तुति दी। इसके अलावा रोमांचक लकी ड्रॉ ने भी लोगों की उत्सुकता बढ़ाए रखी। विशाल स्क्रीन पर आतिशबाजी का प्रदर्शन, आकर्षक सेल्फी पॉइंट और भव्य साज-सज्जा ने आयोजन को और खास बना दिया। परिवारों ने एक-दूसरे के साथ तस्वीरें खिंचवाकर इन खुशनुमा पलों को यादों में संजोया। आमंत्रित परिवारों के लिए विशेष उपहारों की व्यवस्था की गई थी। वहीं पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजनों ने मेहमानों के स्वागत और सत्कार को और भी खास बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान हंसी-खुशी, मेल-मिलाप और आपसी सौहार्द का माहौल बना रहा।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और उत्सव मनाने का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रेम, विश्वास, अपनत्व और रिश्तों में मिठास घोलने का अवसर भी है। दीपों की रोशनी हमें आपसी सद्भाव, सकारात्मकता और एक-दूसरे के जीवन में खुशियां बांटने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि 'परंपरा' के माध्यम से क्लब ने भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और हमारी समृद्ध परंपराओं को उत्सव के रूप में जीवंत करने का प्रयास किया है। ऐसे आयोजन परिवारों को एक-दूसरे के करीब लाने के साथ ही सामाजिक संबंधों को भी मजबूत बनाते हैं। डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि रोटरी केवल सामाजिक सेवा और जनकल्याण का मंच नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा परिवार है, जहां मित्रता, सहयोग, विश्वास और आत्मीयता के रिश्ते निरंतर मजबूत होते हैं। क्लब के सदस्य सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के साथ-साथ पारिवारिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करते हैं। ह्यपरंपराह्न जैसे आयोजन सदस्यों को एक साथ आने, अपनी खुशियां साझा करने और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

समारोह को भव्य और यादगार बनाने में विशेष आयोजन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति के सदस्य अजय गौतम, संजय गुप्ता, अमित अग्रवाल, सीए सोम दत्त रघु, जीवन खन्ना, मनीष लोहिया एवं सीमा अग्रवाल ने अपनी सक्रिय सहभागिता, समर्पण और बेहतर व्यवस्थापन के माध्यम से आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया। सभी ने मिलकर कार्यक्रम की रूपरेखा से लेकर अतिथियों के स्वागत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और अन्य व्यवस्थाओं तक जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। कार्यक्रम की सफलता में क्लब सचिव रोटेरियन ललित कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष रोटेरियन सीए रवि सिंह और क्लब ट्रेनर रोटेरियन मनोज जाजोदिया सहित क्लब के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य किया। समारोह के दौरान आपसी मेल-मिलाप और पारिवारिक सहभागिता ने यह संदेश दिया कि त्योहारों की वास्तविक खुशी केवल भव्य आयोजन में नहीं, बल्कि अपनों के साथ समय बिताने, रिश्तों को मजबूत बनाने और खुशियां बांटने में निहित है।

यूपी में बना नंबर वन गाजियाबाद; राष्ट्रपति ने महापौर और नगर आयुक्त को किया सम्मानित

विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में मिला स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 का सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। स्वच्छता के मामले में गाजियाबाद ने एक बार फिर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्तर प्रदेश के स्वच्छ शहरों की श्रेणी में गाजियाबाद नगर निगम ने पहला स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गाजियाबाद की महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक को सम्मानित किया। गाजियाबाद नगर निगम के इतिहास में पहली बार ऐसा अवसर आया है, जब देश की राष्ट्रपति ने स्वयं महापौर और नगर आयुक्त को स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया है। इस उपलब्धि से नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों और शहरवासियों में उत्साह है। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 सम्मान समारोह में देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। राष्ट्रपति ने स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शहरों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया और भविष्य में भी स्वच्छता के प्रयासों को लगातार बेहतर बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री एके शर्मा भी मौजूद रहे। नगर विकास मंत्री ने गाजियाबाद नगर निगम की टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। गाजियाबाद नगर निगम के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि पिछले दो वर्षों में शहर की रैंकिंग में लगातार सुधार हुआ है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023-24 में गाजियाबाद 19वें स्थान पर था, जबकि 2024-25 में 11वें स्थान पर पहुंच गया था। इस बार नगर निगम की टीम ने सफाई व्यवस्था, कूड़ा प्रबंधन और नागरिक सहभागिता पर विशेष ध्यान देते हुए उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। लगातार बेहतर होती रैंकिंग नगर निगम की ओर से किए गए प्रयासों और सफाई व्यवस्था में हुए सुधार को दशार्ती है।

महापौर सुनीता दयाल ने इस उपलब्धि का श्रेय शहरवासियों को देते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में मिला सम्मान पूरे गाजियाबाद का सम्मान है। शहर के लोगों ने कचरा पृथक्करण को अपनाया और प्लास्टिक मुक्त अभियान में भागीदारी निभाई। घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग रखने और नगर निगम की कूड़ा संग्रहण व्यवस्था में सहयोग करने से स्वच्छता अभियान को मजबूती मिली है। नगर निगम की ओर से घर-घर से कूड़ा एकत्र कर उसका उचित निस्तारण कराया जा रहा है। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों और पार्षदों को भी इस सफलता के लिए बधाई दी। महापौर ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर निगम के साथ नागरिकों की भागीदारी भी बेहद जरूरी है। स्वच्छता केवल सरकारी व्यवस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सहयोग भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शहरवासियों के सहयोग से ही गाजियाबाद को प्रदेश में पहला स्थान हासिल हुआ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी लोग इसी तरह स्वच्छता अभियान में अपनी भागीदारी निभाते रहेंगे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने इस उपलब्धि पर नगर निगम की पूरी टीम और शहरवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नगर निगम सीमा में सफाई मित्र प्रतिदिन पूरी मेहनत और जिम्मेदारी के साथ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने में जुटे रहते हैं। समय पर कूड़ा उठान, सार्वजनिक स्थलों की सफाई और एकत्रित कचरे का उचित निस्तारण इस सफलता के प्रमुख आधार हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए स्वच्छ भारत मिशन की टीम सहित सभी संबंधित विभागों ने समन्वय के साथ काम किया। नगर आयुक्त ने कहा कि गाजियाबाद को उत्तर प्रदेश में स्वच्छ सिटी का खिताब मिलना पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। नगर निगम इस उपलब्धि को बरकरार रखने के साथ सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम करेगा।

युवक की हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार, कांच की टूटी बोतल बरामद



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। थाना क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, 8 नवंबर को वादी ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि शिवम ने उनके बेटे की हत्या कर दी है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 11 नवंबर को विश्वकर्मा बस्ती निवासी 22 वर्षीय शिवम पुत्र चमन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई कांच की बोतल भी बरामद की गई है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक विक्की उसका दोस्त था और उसकी बहन से बातचीत करता था। इसी बात को लेकर उसने अपने साथी के साथ मिलकर विक्की को शराब पिलाई और कलछीना-सिकरी रोड पर ट्यूबवेल के पास टूटी बोतल से उसके गले और सीने पर वार किया था। मामले में दूसरे आरोपी विकास की तलाश जारी है।

राधे गौशाला गदाना मे गोवर्धन पूजा का आयोजन किया

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर की सबसे श्रेष्ठ राधे गौशाला गदाना मे हिन्दू रीतिरिवाज से गोवर्धन पूजा आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विधायक डॉ मंजू शिवाच, नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने भाग लिया। इस मौके पर विधायक डॉ मंजू शिवाच, पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली को पटका एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। सभी ने अपने हाथों से गौवंशों को हरा चारा खिलाया और सप्ताह मे एक दिन गौसेवा करने की शपथ ली। विधायक ने राधे गौशाला के सभी कमार्चारियों एवं गौप्रमियों का सफेद चादर गले मे पहना कर गोवर्धन की बधाई दी। पूजा अर्चना के बाद लड्डू प्रसाद वितरण किया गया।डॉ मंजू शिवाच ने राधे गौशाला के सभी कार्यकर्ताओ की प्रशंसा की। इस अवसर पर सोकिंदर चौधरी, गौसेवक संदीप सैन, लक्ष्य शर्मा, नरेंद्र सैन, रेणु सैन सुंदर, प्रदीप, एवं आदि लोग मौजूद रहे।

गाजियाबाद में पांच मस्जिदें तोड़ने और नमाजियों पर गोली चलाने की फर्जी पोस्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गाजियाबाद को लेकर भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट प्रसारित करने के मामले में पुलिस ने दो एक्स हैंडल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि दोनों हैंडल से गाजियाबाद में पांच मस्जिदों को ध्वस्त करने और नमाज पढ़ रहे लोगों पर पुलिस की ओर से गोली चलाने जैसे भ्रामक दावे किए गए थे। पुलिस का मानना है कि इस तरह की पोस्ट से सांप्रदायिक तनाव फैलने और शहर की शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। एफआईआर के मुताबिक, 10 नवंबर को साइबर क्राइम थाने में तैनात उपनिरीक्षक सुशील कुमार को एक्स पर दो संदिग्ध पोस्ट की जानकारी मिली। एक पोस्ट में दावा किया गया था कि शहर में पांच मस्जिदों को ध्वस्त कर दिया गया है और इसके विरोध में हजारों मुस्लिम सड़कों पर उतर आए हैं। दूसरी पोस्ट में भी इसी तरह की बातें प्रसारित की गई थीं। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर इस तरह की भ्रामक जानकारी प्रसारित करने से लोगों में गलतफहमी पैदा हो सकती थी। इससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ने, सांप्रदायिक वैमनस्य फैलने और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपनिरीक्षक सुशील कुमार की शिकायत पर दोनों एक्स हैंडल संचालकों के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

छठ पूजा को देखते हुए पुलिस उपायुक्त ग्रामीण ने गंग नहर का निरीक्षण किया

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आगामी छठ पूजा को देखते हुए बुधवार को पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने मुरादनगर की गंग नहर का निरीक्षण किया। उनके साथ एसीपी मसूरी और थाना अध्यक्ष मुरादनगर भी थे।

निरीक्षण का मकसद श्रद्धालुओं की सुरक्षा के इंतजाम देखना था। अधिकारियों ने गंग नहर के प्रमुख घाटों और आसपास के रास्तों का जायजा लिया। छठ पूजा के दौरान घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए गए।

महत्वपूर्ण जगहों पर पुलिस बैरियर लगाने और रूट डायवर्जन की व्यवस्था करने को कहा गया, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और रास्तों पर आवाजाही बनी रहे। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने, भीड़ संभालने और आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए। छठ पूजा के दौरान अर्घ्य देने आने वाले व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए घाटों पर रोशनी, गोताखोरों की तैनाती और बैरिकेडिंग के इंतजाम समय से करने को कहा गया।

श्रमिकों की समस्याओं एवं भ्रष्टाचार के विरोध में श्रमिक नेता तेजपाल पोसवाल ने किया धरना प्रारंभ



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। श्रमिकों की समस्याओं एवं भ्रष्टाचार के विरोध में श्रमिक नेता तेजपाल पोसवाल ने अपने साथियों के साथ डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति के निकट धरना प्रारंभ किया है।

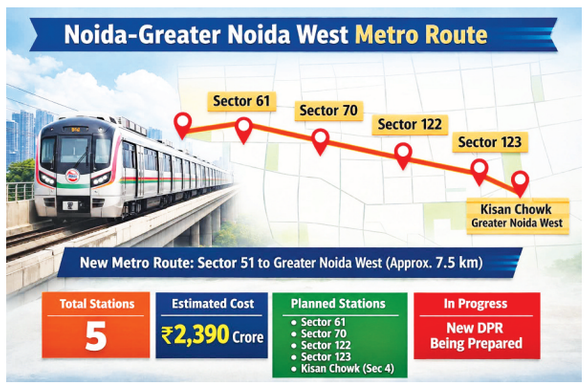
श्रमिक नेता तेजपाल पोसवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार के चलते श्रमिकों का पेमेंट ना कर जमीनों को कंपनियों को बेचा जा रहा है। उन्होंने इसके लिए प्रशासन पर भी सहयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इसको लेकर वह धरने पर बैठे हैं।

मकानों में रहने वाले श्रमिकों को मकान खाली करने के लिए नोटिस दिए जा रहे हैं तथा उन पर मुकदमे किए जा रहे हैं। तेजपाल पोसवाल ने जनप्रतिनिधियों पर भी सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। वह हो रहे भ्रष्टाचार के विरुद्ध धरने पर बैठे हैं।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लाखों लोगों को बड़ी सौगात, एक्वा लाइन मेट्रो विस्तार को कैबिनेट की मंजूरी

- 8.5 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर पर बनेंगे पांच नए स्टेशन, 2,390 करोड़ रुपये होंगे खर्च; चार साल में परियोजना पूरी करने का लक्ष्य

कपिल चौहान



ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले लाखों लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है। वर्षों से लंबित मेट्रो परियोजना को आखिरकार केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन को ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक विस्तार देने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी गई है। इस फैसले से क्षेत्र में बेहतर सार्वजनिक परिवहन और कनेक्टिविटी का रास्ता साफ हो गया है।

परियोजना के तहत नोएडा सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 (किसान चौक के पास) तक करीब 8.5 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस रूट पर पांच नए स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें सेक्टर-61, सेक्टर-70, सेक्टर-122, सेक्टर-123 और ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 शामिल हैं। परियोजना पर लगभग 2,390 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है और इसे चार साल में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मेट्रो विस्तार से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लाखों निवासियों को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। खासकर किसान चौक और गौर सिटी चौक के आसपास यातायात का दबाव कम हो सकता है। सेक्टर-61 स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन से इंटरचेंज की सुविधा मिलने से दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों तक सफर भी आसान होगा।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब टेंडर प्रक्रिया और निर्माण एजेंसी के चयन का रास्ता साफ होगा। हालांकि, निर्माण कार्य शुरू होने और मेट्रो सेवा चालू होने में अभी समय लगेगा। इसके बावजूद यह फैसला ग्रेटर नोएडा वेस्ट के विकास और बेहतर यातायात व्यवस्था की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

सिकरी खुर्द में हुई घटना के बाद, जिला महासचिव अय्यूब कुरैशी पीड़ित परिवार से मिले



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सिकरी खुर्द में हुई घटना के बाद, जिला महासचिव अय्यूब कुरैशी पीड़ित परिवार से मिले, उनका हाल-चाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने उचित मुआवजे के साथ परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग भी उठाई, ताकि परिवार को आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिल सके। कुरैशी ने कहा कि दुख की इस घड़ी में परिवार अकेला नहीं है और न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। प्रशासन से मांग की गई कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए और नौकरी की मांग पर भी सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भगवानगंज मंडी कॉलोनी में शॉर्ट सर्किट से एक मकान में आग लग गई। घर में रखा लाखों रुपए का सामान जल गया। दमकल की तीन गाड़ियों ने करीब दो घंटे में आग बुझाई।आग का धुआं देखकर पड़ोसियों ने परिवार को सूचना दी। परिवार के लोग तुरंत घर से बाहर निकल गए। इसके बाद दमकल विभाग को खबर दी गई।दमकल अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पहले एक गाड़ी भेजी गई। आग पर काबू नहीं पाया जा सका, तो दो और गाड़ियां भेजीं।आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। घटना की जांच और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

ट्रेन से उतरते समय व्यक्ति की हुई मौत

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मंगलवार शाम ट्रेन से उतरते समय 54 वर्षीय संजय कुमार की मौत हो गई। परिजन शव लेकर गोविंदपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचे, जहां रेलवे पुलिस के अधिकारी करीब चार घंटे तक नहीं पहुंचे। उसके बाद परिजनों तथा ग्रामीणों ने पुलिस के अधिकारियों से बात करने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। गांव फफराना निवासी संजय लकड़ी का काम करते थे। मंगलवार, 10 नवंबर को वे दिल्ली के शाहदरा में अपनी बहन के घर कोथली देने गए थे। वहां से गोल्डन टेंपल ट्रेन से मोदीनगर लौट रहे थे। शाम को मोदीनगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय उनका पैर फिसल गया और वे ट्रेन की चपेट में आ गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजन शव लेकर गोविंदपुरी सीएचसी पहुंचे और रेलवे पुलिस के अधिकारियों का इंतजार करते रहे। करीब चार घंटे बाद भी कोई अधिकारी नहीं पहुंचा।

गंग नहर में मिले व्यक्ति की हुई शिनाख्त

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गंगनहर में सोनिया विहार रेगूलेटर के पास तीन दिन पहले मिले व्यक्ति की शिनाख्त गाजियाबाद निवासी दीपक कुमार के रुप में हुई है। बता दे कि सोमवार सुबह निवाड़ी पुलिस को नहर में सोनिया विहार रेगूलेटर के पास एक व्यक्ति का शव मिला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए। मृतक की शिनाख्त दीपक कुमार निवासी पटेल नगर गाजियाबाद के रुप में हुई है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की जांच कर रही हैं।

71 हजार से 82 हजार के पार पहुंचा सेंसेक्स, निवेशकों को मिला भरोसा

दीपावली के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 1300 अंकों से अधिक उछला

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दीपावली और भाई दूज के बाद भारतीय शेयर बाजार में तेजी ने निवेशकों के चेहरे पर रौनक लौटा दी है। बुधवार, 11 नवंबर को बाजार खुलते ही सेंसेक्स में 1300 अंकों से अधिक का उछाल दर्ज किया गया। सुबह करीब 9:20 बजे सेंसेक्स 1,302.86 अंकों की बढ़त के साथ 82,409.51 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 25,375 के पार कारोबार करता दिखाई दिया। बाजार की इस तेजी के बीच फाइनेंशियल कंसल्टेंट रविंद्र तिवारी की पुरानी सलाह एक बार फिर चर्चा में है। उन्होंने सेंसेक्स के करीब 71 हजार के स्तर पर रहने के दौरान निवेशकों को आगाह किया था कि बाजार में गिरावट को केवल नुकसान के तौर पर नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे निवेश के अवसर के रूप में समझना चाहिए। रविंद्र तिवारी का कहना है कि जब बाजार नीचे के स्तर पर कारोबार कर रहा था, उस समय कई निवेशक और बाजार में पैसा लगाने की योजना बना रहे लोग और गिरावट का इंतजार कर रहे थे। उस समय उनकी सलाह थी कि बाजार जब तेजी से ऊपर जाएगा तो अच्छे स्तर पर निवेश का अवसर आसानी से नहीं मिलेगा। निवेशकों को बाजार की चाल समझकर योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाना चाहिए। अब सेंसेक्स में आई तेजी के बाद उनकी यह बात प्रासंगिक नजर आ रही है। जो निवेशक लगातार गिरावट का इंतजार कर रहे थे, वे अब निवेश के सही समय और स्तर को लेकर असमंजस में हैं। बाजार के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स का 52 सप्ताह का निचला स्तर 71,292.88



अंक रहा, जो एक अक्टूबर 2026 को दर्ज किया गया था। वहीं इसका 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 86,159.02 अंक रहा है। बुधवार को सेंसेक्स 82,409.51 तक पहुंच गया। इस तरह निचले स्तर से बाजार में करीब 15.6 प्रतिशत की रिकवरी दर्ज की गई है। यह तेजी उन निवेशकों के लिए भी चर्चा का विषय बनी हुई है, जो बाजार में निवेश के लिए अनुकूल अवसर तलाश रहे हैं। रविंद्र तिवारी का संदेश है कि बाजार में अवसर को पहचानना जरूरी है। केवल गिरावट का इंतजार करते रहने से कई बार अच्छे निवेश के मौके हाथ से निकल जाते हैं। निवेशकों को अनुशासन के साथ निवेश करना चाहिए और बाजार की तेजी या गिरावट के बजाय अपने दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए। रविंद्र तिवारी के अनुसार शेयर बाजार में तेजी और गिरावट दोनों ही निवेश का हिस्सा हैं। बाजार में निवेश करते समय केवल सेंसेक्स और निफ्टी के उतार-चढ़ाव को आधार बनाना सही नहीं है। निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश की अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता को ध्यान में रखकर फैसला करना चाहिए। उनका मानना है कि लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अनुशासन और धैर्य सबसे महत्वपूर्ण हैं। म्यूचुअल फंड में एसआईपी और चरणबद्ध तरीके से निवेश करना भी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे एकमुश्त बड़ी रकम लगाने के बजाय अलग-अलग समय पर निवेश करने का अवसर मिलता है। रविंद्र तिवारी का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास यात्रा में अभी कई संभावनाएं मौजूद हैं। कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजे, घरेलू निवेशकों का भरोसा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की भागीदारी, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बाजारों से मिलने वाले सकारात्मक संकेत बाजार को मजबूती दे सकते हैं। हालांकि, बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा बना रहता है, इसलिए निवेशकों को किसी एक दिन की तेजी देखकर जल्दबाजी में निर्णय नहीं लेना चाहिए।

नवंबर अंत तक लागू हो सकता है जमीनों का नया सर्किल रेट

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। धनतेरस, दीपावली और गोवर्धन पूजा के बाद बुधवार को भाई दूज का त्योहार मनाया जाएगा। इसके साथ ही त्योहारों की छुट्टियां भी समाप्त हो जाएंगी और सरकारी कार्यालयों में लंबित कार्यों को गति मिलेगी। इसी क्रम में जिले में जमीनों का सर्किल रेट बढ़ाने की प्रक्रिया भी तेज होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि नवंबर के अंत या दिसंबर तक जिले में सर्किल रेट की नई दरें लागू हो सकती हैं। हालांकि, नई दरों पर अंतिम निर्णय जिलाधिकारी की मंजूरी के बाद ही लिया जाएगा। जिले में सर्किल रेट बढ़ाने की प्रक्रिया अक्टूबर माह में ही शुरू हो गई थी। इस संबंध में एक बैठक भी आयोजित की जा चुकी है, लेकिन त्योहारों के चलते अगले दौर की बैठक स्थगित कर दी गई थी।

छठ घाटों पर पहुंचे पुलिस अधिकारी, सुरक्षा और सुविधाओं का लिया जायजा

सुरक्षा, यातायात और साफ-सफाई व्यवस्था का लिया जायजा, कमियां मिलने पर अधिकारियों को दिए निर्देश







कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी छठ पूजा पर्व को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को ट्रांस हिंडन जोन के सभी छठ पूजा घाटों का पुलिस अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सहायक पुलिस आयुक्त सूर्यबली मौर्य (इंदिरापुरम), अमित सक्सेना (साहिबाबाद), अतुल कुमार सिंह (शालीमार गार्डन) और संबंधित थाना प्रभारियों ने घाटों पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने पर्व के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। वहीं, सहायक पुलिस आयुक्त जियाउद्दीन अहमद ने थाना नंदग्राम क्षेत्र के छठ पूजा स्थलों का निरीक्षण कर साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था का जायजा लिया।

कुछ स्थानों पर रोशनी की कमी मिलने पर उसके समाधान के लिए नगर निगम को पत्र भेजा गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य छठ पर्व को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना है।

राशन की दुकान पर भी बनेगा वोटर, कोटेदारों को डीएम ने दिए निर्देश

18 साल या उससे अधिक उम्र के पात्र सदस्यों का भरवाएं प्रारूप-6, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की पहल तेज

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए जिला प्रशासन ने नई पहल शुरू की है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने जनपद के सभी राशन विक्रेताओं (कोटेदारों) को निर्देश दिए हैं कि राशन वितरण के दौरान कार्डधारक परिवारों के 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी पात्र सदस्यों की जानकारी लें और उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की जांच करें।

डीएम ने कहा कि यदि किसी पात्र सदस्य का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है तो उसे प्रारूप-6



उपलब्ध कराकर आवेदन भरवाया जाए। जरूरत पड़ने पर ऑनलाइन आवेदन कराने में भी सहयोग किया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से भी अपील की कि वे अपने और परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम मतदाता सूची में जांच लें। इसके लिए मतदाता सेवा पोर्टल, वोटर हेल्पलाइन ऐप और ECINET ऐप का इस्तेमाल किया जा सकता है। नाम दर्ज नहीं होने पर ऑनलाइन या बीएलओ के माध्यम से प्रारूप-6 भरकर आवेदन करें। वहीं, दूसरे स्थान या राज्य से गाजियाबाद में नाम स्थानांतरित कराने के लिए प्रारूप-8 के जरिए आवेदन किया जा सकता है। डीएम ने कहा कि मतदान लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक का अधिकार है। इस अधिकार का उपयोग करने के लिए मतदाता सूची में नाम होना जरूरी है। इसलिए प्रशासन के साथ नागरिक भी सुनिश्चित करें कि कोई पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रहे।

शिप्रा मॉल कट पर पुलिस ने दबोचा तमंचाधारी युवक, .315 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान अवैध हथियार लेकर घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से .315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 11 नवंबर को शिप्रा मॉल कट पर संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दिल्ली की ओर से आ रहा एक युवक अवैध हथियार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर मोन्टी उर्फ अमन (22) निवासी राजवीर कॉलोनी, गाजीपुर, दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मूल रूप से बुलंदशहर के सलेमपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने उसके खिलाफ आयुध अधिनियम की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

डासना जेल में भावुक माहौल में मना भैया दूज, बहनों ने भाइयों का तिलक कर मांगी लंबी उम्र

खुली मुलाकात की विशेष व्यवस्था, सुरक्षा के लिए जेल प्रशासन और पुलिस रही मुस्तैद









कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। डासना जिला जेल में भैया दूज का पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम और भावनाओं के बीच मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बहनें पूजा की थाली और मिठाई लेकर अपने भाइयों से मिलने जेल पहुंचीं। बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार भाइयों का तिलक कर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। जेल परिसर में भाई-बहनों के मिलन के दौरान कई भावुक दृश्य देखने को मिले।

बहनों की सुविधा के लिए जेल प्रशासन की ओर से खुली मुलाकात की विशेष व्यवस्था की गई थी। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने बताया कि पर्व के मद्देनजर बहनों को मुलाकात में परेशानी न हो, इसके लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जेल परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात रहा।

मंडोला विहार की प्रीमियम भूखंड और आवास योजना में करना होगा इंतजार



वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। दिल्ली के नजदीक लोनी स्थित मंडोला विहार योजना में आवास विकास परिषद की प्रस्तावित प्रीमियम भूखंड और आवास योजना के लिए लोगों को अभी इंतजार करना पड़ेगा। परिषद की ओर से पहले इस योजना को दीपावली से पहले लॉन्च करने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन अब भूखंडों और आवासों की संख्या बढ़ाने की योजना के चलते पंजीकरण प्रक्रिया में देरी हो रही है। संख्या बढ़ाने के बाद ही योजना को लॉन्च किया जाएगा। इस योजना में लोगों को आवासीय और व्यावसायिक सुविधा एक ही जगह उपलब्ध कराने की तैयारी है। प्रीमियम भूखंडों के आवंटन में ड्रॉ के माध्यम से सफल आवेदकों को नीचे दुकान और ऊपर आवास बनाने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा कम कीमत वाले भूखंड और आवास भी योजना में शामिल किए जा रहे हैं, जिससे मध्यम वर्ग के लोग भी अपने घर का सपना पूरा कर सकें। योजना में 40 वर्गमीटर के भूखंड और सेमी फर्निश्ड आवास रखे गए हैं। इसके साथ ही एमएसएमई के तहत प्रदूषण मुक्त लघु उद्योगों के लिए भी भूखंड उपलब्ध कराने की योजना है। इससे आवासीय जरूरतों के साथ छोटे उद्यमियों को भी अपना कारोबार शुरू करने का अवसर मिल सकेगा। मंडोला विहार योजना दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के पास स्थित है। ऐसे में यहां से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों तक आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

नोएडा में पुरानी गाड़ियों पर लगा प्रतिबंध, ग्रैप-3 के दौरान सड़क पर मिलीं तो होंगी जब्त

बीएस-3 और बीएस-4 वाहनों के संचालन पर रोक, ग्रैप-3 लागू रहने तक जारी रहेगा आदेश

कपिल चौहान



नोएडा (वेलकम इंडिया)। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पुराने वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2020 तक पंजीकृत वाहनों के साथ बीएस-3 और बीएस-4 श्रेणी के वाहनों के संचालन पर रोक रहेगी। ग्रैप-3 लागू रहने के दौरान इन वाहनों को सड़कों पर चलाने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि प्रतिबंध का उल्लंघन कर सड़क पर चलते हुए पाए जाने वाले वाहनों को जब्त किया जाएगा। यह आदेश ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू रहने तक प्रभावी रहेगा। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने और हवा की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

फॉरेक्स ट्रेडिंग में मोटी कमाई का झांसा देकर महिला से साढ़े चार लाख की ठगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

ट्रांस हिंडन। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में फॉरेक्स ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर महिला से लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। वसुंधरा सेक्टर-1 निवासी महिला अंजू सहेरा ने अपने पति के पुराने परिचित और विद्युत निगम के पूर्व अभियंता राजकुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि निवेश के नाम पर रकम लेने के बाद न तो ट्रेडिंग का कोई हिसाब दिया गया और न ही मुनाफे की रकम लौटाई गई। महिला ने आरोपी पर करीब 500 अन्य लोगों से भी ठगी करने का आरोप लगाया है। अंजू सहेरा ने पुलिस को बताया कि उनके पति संजीव कुमार और बुलंदशहर के खुर्जा निवासी राजकुमार मेरठ में एक ही हॉस्टल में रहते थे। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से परिचय था। राजकुमार पहले विद्युत निगम में अभियंता के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि वर्ष 2020 में राजकुमार उनके घर आया और बताया कि वह अपनी पत्नी ललितेश कुमारी के नाम से फॉरेक्स ट्रेडिंग का कारोबार करता है। उसने इस कारोबार से अच्छी कमाई होने की बात कहकर निवेश करने का प्रस्ताव दिया। उसकी बातों पर भरोसा कर जनवरी 2025 में अंजू ने आरटीजीएस के माध्यम से मूल बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के खाते में पांच लाख रुपये भेज दिए। महिला का आरोप है कि रकम भेजने के बाद उन्हें न तो किसी ट्रेडिंग का विवरण दिया गया और न ही कोई मुनाफा मिला। काफी समय तक इंतजार करने के बाद भी रकम वापस नहीं की गई।

शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने सड़क पर उतरे एडीसीपी वरुण कुमार सिंह, प्रमुख चौराहों का किया निरीक्षण

कपिल चौहान





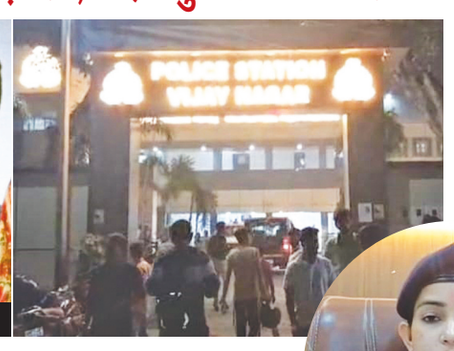
गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) वरुण कुमार सिंह ने बुधवार को प्रमुख यातायात स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पुराना बस अड्डा, चौधरी मोड़, घंटाघर और नया बस अड्डा सहित शहर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों को आमजन की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए यातायात का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जाम की स्थिति से निपटने और वाहन चालकों को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने पर विशेष ध्यान देने को कहा। यातायात पुलिस ने लोगों से नियमों का पालन करने की अपील की है।

पुरानी रंजिश में 20 वर्षीय आयुष की चाकू से गोदकर हत्या, सीने पर किया वार

थाने से अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम, भाई ने पुलिस पर लगाए लापरवाही के गंभीर आरोप; एक आरोपी हिरासत में




मृतक







कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजयनगर थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर में पुरानी रंजिश के चलते 20 वर्षीय युवक आयुष की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि दो युवकों ने अपने साथियों के साथ मिलकर आयुष पर हमला किया और उसके सीने के पास चाकू से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल आयुष को परिजन पहले विजयनगर थाने लेकर पहुंचे। वहां से अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

मृतक के भाई अमन ने सागर और अभिषेक नाम के युवकों पर हत्या की साजिश रचने और अपने साथियों से हमला करवाने का आरोप लगाया है। अमन के मुताबिक, धनतेरस के दिन भी दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी। आरोप है कि उस समय पुलिस ने आयुष को पकड़ लिया था। भाई ने पुलिस पर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करने और उसके साथ भी मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। अमन का कहना है कि मंगलवार रात भी आयुष के साथ मारपीट की गई थी। बुधवार को दो युवकों ने उसे घेरकर चाकू से हमला कर दिया।

घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। एसीपी उपासना पांडेय ने बताया कि शाम करीब छह बजे दो व्यक्तियों के बीच मारपीट के दौरान एक व्यक्ति ने आयुष को चाकू मार दिया। घायल को एमएमजी अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सोनू (22), निवासी चरण सिंह कॉलोनी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद स्टेशन पर RPF का एक्शन, अवैध वेंडरों और यात्रियों पर कार्रवाई





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए बुधवार को रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। निरीक्षक अब्दुल लतीफ ने हमराह स्टाफ के साथ स्टेशन के सभी बीटों, प्लेटफॉर्म और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया।

अभियान के दौरान विजयनगर साइड रेलवे परिसर में अनधिकृत रूप से खानपान की वस्तुएं बेच रहे चार लोगों के खिलाफ जन विश्वास अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वहीं, रेलवे लाइन पार कर रहे 12 यात्रियों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत कार्रवाई की गई। स्टेशन परिसर में धूम्रपान करने वालों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान निरीक्षक ने कर्मचारियों को यात्रियों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए।

साथ ही ट्रेनों में चढ़ने-उतरने वाले यात्रियों की सीटी और उद्घोषणा के माध्यम से मदद करने को कहा। RPF ने यात्रियों से रेलवे लाइन पार न करने और निर्धारित रास्तों का ही इस्तेमाल करने की अपील की।